राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 17 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–266 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला ने रिक्शावाले का पकड़ लिया प्राइवेट पार्ट, दिल्ली की सड़क पर दिखी गंदी बात

नई दिल्ली। दिल्ली में इन दिनों सोशल मीडिया पर एक हैरान कर देने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें एक युवती सेक्स की तलब होने पर व्यस्त सड़क पर ही एक रिक्शा चालक के प्राइवेट पार्ट को गलत तरीके से छूती और उसके साथ यौन संबंध बनाने की कोशिश करती दिखाई दे रही है। यह वायरल वीडियो एक्स @stormiismykid पर अपलोड किया गया है और इसमें महिला को रिक्शा चालक के साथ सार्वजनिक रूप से यौन छेड़छाड़ करते हुए दिखाया गया है। इस वीडियो को देखकर लोग अलग-अलग ढंग से इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वीडियो में युवती को रिक्शा चालक के कंधे पर अपना सिर रखे हुए देखा जा सकता है और वह उसे गलत तरीके से छूते हुए उसके प्राइवेट पार्ट को सहला रही है, जबकि आदमी को अपने रिक्शा के बगल में खड़ा देखा जा सकता है, लेकिन वह कुछ भी नहीं कर रहा है। दोनों को आपस में बातचीत करते देखा जा सकता है, लेकिन ये साफ नहीं है कि वो किस बारे में बात कर रहे हैं। वीडियो को दूर से शूट किया गया है। युवती की इस शर्मनाक हरकत को सड़क पर रिक्शा से कुछ दूरी पर सामने खड़ी एक कार के अंदर बैठे कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया। सोशल मीडिया पर अपलोड होने के बाद से यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया और सोशल मीडिया पर इसे कई-कई बार देखा जा रहा है और लोग जमकर इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है। एक यूजर ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिला को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा क्योंकि भारत में महिलाओं के लिए पुरुषों के साथ बलात्कार या छेड़छाड़ करना कानूनी है। वहीं एक दूसरी यूजर ने लिखा, अफसोस की बात है कि लोग लैंगिक समानता में विश्वास करते हैं, लेकिन कभी भी कुप्रथा, पुरुष आत्महत्या, बलात्कार के खिलाफ गैर-मौजूद कानूनों, पुरुषों के उत्पीड़न के बारे में बात नहीं करते हैं। अगर किसी पुरुष ने विपरीत लिंग के साथ ऐसा किया होता तो बात कुछ और होती, बेचारा रिक्शा चालक भी डरा हुआ दिखता है।%%

जब एम-सीजी में दिग्गज उतारे, तो कांग्रेस राजस्थान में क्यों है नए चेहरों के सहारे

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने इन तीनों राज्यों में ज्यादातर पुराने चेहरों पर ही भरोसा जताया है। मध्य प्रदेश के लिए 144, छत्तीसगढ़ के लिए 30 और तेलंगाना के लिए 55 प्रत्याशियों का ऐलान किया गया है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ छिंदवाड़ा सीट से, जबकि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल परंपरागत सीट पाटन से चुनाव मैदान में उतरेंगे। कांग्रेस की ओर से नवरात्रि के पहले दिन जारी सूची में ओबीसी वर्ग, महिलाओं और युवाओं को ज्यादा हिस्सेदारी देने की कोशिश की गई है। पार्टी ने इन तीनों राज्यों के लिए 229 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने 69 विधायकों को फिर से टिकट दिया है। पार्टी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के खिलाफ बुधनी से अभिनेता विक्रम मस्ताल को अपना उम्मीदवार बनाया है। मस्ताल धारावाहिक रामायण-दो में हनुमान की भूमिका निभा चुके हैं।

दिग्विजय के बेटे जयवर्धन और भाई लक्ष्मण को भी टिकट

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह को राघौगढ़ से और उनके भाई लक्ष्मण सिंह को गुना के चचौरा विधानसभा सीट से टिकट दिया है। पार्टी ने पचास साल से कम उम्र के उम्मीदवारों को भी हिस्सेदारी दी है। 144 उम्मीदवारों की सूची में 65 प्रत्याशियों की उम्र 50 साल से कम है। इसके साथ ही कांग्रेस ने जातिगत समीकरणों को साधते हुए 47 सामान्य वर्ग, 39 ओबीसी, छह अल्पसंख्यक, 22 एससी और 30 एसटी प्रत्याशियों को टिकट दिया है। इस सूची में 19 महिला उम्मीदवार हैं।

छत्तीसगढ़ में आठ विधायकों के टिकट कटे-कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में उम्मीदवारों के चयन के लिए कराए गए अंदरूनी सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर राज्य

के आठ विधायकों के टिकट काट दिए हैं। जबकि, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व उनके सभी 12 कैबिनेट सहयोगियों और विधानसभा अध्यक्ष चरणदासस महंत सहित 22 विधायकों को फिर से उम्मीदवार बनाया है। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को अंबिकापुर से टिकट दिया गया है।

पार्टी ने 30 में से 14 सीट पर एसटी और तीन सीट पर एससी को टिकट दिया है। पहली सूची में सिर्फ तीन महिलाओं को हिस्सेदारी मिली है। पार्टी ने बघेल सरकार में शामिल मंत्री गुरु रुद्रकुमार की सीट बदल दी है। उन्हें इस बार अहिवारा की जगह नवागढ़ सीट से मैदान में उतारा है। राज्य में छह नए चेहरों को भी मौका दिया गया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रदेश की अगली सूची में कुछ और विधायकों के टिकट कट सकते हैं।

तेलंगाना में प्रदेश अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी को कोंडगल से उतारा-तेलंगाना में कांग्रेस ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी को कोंडगल और विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क को मधीरा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं, संतनगर विधानसभा सीट से कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की पत्नी कोटा नीलिमा को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा की तर्ज पर सांसदों को भी टिकट-कांग्रेस ने भाजपा की तरह कुछ सीटों पर सांसदों को भी चुनाव मैदान में उतारा है। पार्टी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद दीपक बैज को चित्रकोट विधानसभा सीट से टिकट दिया है। इसी तरह तेलंगाना में पार्टी ने सांसद उत्तम कुमार रेड्डी को हुजूर नगर सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

तीनों प्रदेश अध्यक्षों को उम्मीदवार बनाया-कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्षों को चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। मध्य प्रदेश में पार्टी अध्यक्ष कमलनाथ, छत्तीसगढ़ में दीपक बैज और तेलंगाना में ए. रेवंत रेड्डी को टिकट दिया गया है। ऐसे में राजस्थान और मिजोरम के प्रदेश अध्यक्षों का टिकट भी तय माना जा रहा है।

210 उम्मीदवार बाकी-इन तीन राज्यों में अभी पार्टी को 210 सीट पर अपने उम्मीदवार और घोषित करने हैं। मध्य प्रदेश में 230 में 86 सीट बाकी हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ में 90 में 60 सीट पर प्रत्याशी अभी घोषित किए जाने हैं। तेलंगाना में 119 में से 64 सीट पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया जाना है।

राजस्थान में कांग्रेस नए चेहरों पर दांव लगाएगी-राजस्थान में कांग्रेस रिवाज बदलने के लिए नए चेहरों पर दांव लगाने की तैयारी में है। इसके साथ ही पार्टी पूर्व सांसदों को भी विधानसभा चुनाव में उतारने का मन बना रही है।

हमारे तो यह खिलाफ ही गया

हरियाणा में दुष्यंत चौटाला की पार्टी से गठबंधन तोड़ सकती है भाजपा

चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा और जेजेपी ने मिलकर भले ही सरकार बना ली हो लेकिन अब बीजेपी नेताओं में इस गठबंधन की वजह से असंतोष दिखाई देने लगा है। संभव है कि अगले विधानसभा चुनाव में दोनों भाजपा दुष्यंत चौटाला के साथ चुनाव ना लड़े। भाजपा के सीनियर नेता बिरेंद्र सिंह का कहना है कि अब जेजेपी के साथ भाजपा अगला चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन भाजपा के खिलाफ ही गया। मुझे लगता है कि अब भाजपा जेजेपी को और बर्दाश्त नहीं करेगी। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक बिरेंद्र सिंह ने कहा, अगर भाजपा और जेजेपी का गठबंधन बना रहता है तो इससे भाजपा को कई फायदा नहीं होने वाला है। अगर भाजपा गंवाने की स्थिति में ही रहना चाहती है तभी यह गठबंधन बरकरार रह सकता है। मैंने इस बारे में लीडरशिप से बात की है। भजापा के कार्यकर्ता भी यही सोचते हैं कि इस गठबंधन से पार्टी को कोई फायदा नहीं हो रहा है। वहीं जेजेपी का कोई वोटबैंक ही नहीं है तो आखिर वे हमें वोट कैसे दिलाएंगे।

पार्टी छोड़ने की भी दे चुके हैं धमकी-बता दें कि दो सप्ताह पहले ही बिरेंद्र सिंह ने हरियाणा के जिंद में रैली की थी और कहा था कि अगर भाजपा और जेजेपी की गठबंधन बरकरार रहता है तो वह पार्टी छोड़ देंगे। उन्होंने दुष्यंत चौटाला पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इसके अगले ही दिन दुष्यंत चौटाला के छोटे दिग्विजय चौटाला

ने इस आरोपों का खंडन किया था और उन्होंने कहा था कि कुछ नेता उनके खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं। जींद की रैली के बारे में जब बिरेंद्र सिंह से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, भाजपा की प्रतिक्रिया अच्छी है। लीडरशिप को यह बात अच्छी लगी कि उन्होंने इस दिशा में बात करनी शुरू की।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

देश के इन हिस्सों में 19 अक्टूबर तक गरज के साथ भारी बारिश

नई दिल्ली। नवरात्रि के बीच देश के कई हिस्सों में बारिश और तूफान की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 19 अक्टूबर तक देश के कई हिस्सों में बारिश और तूफान की भविष्यवाणी की है। 16 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गिलगित, बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, छिटपुट गरज के साथ कहीं-कहीं बिजली गिरने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव

17 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गिलगित, बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में अलग-अलग स्थानों पर बारिश होने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि देश के कई हिस्सों में मौसम का यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के कारण है। मौसम विभाग ने उत्तर भारत के अलावा दक्षिण भारत कई भी कई हिस्सों में बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा है कि

तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, कराईकल और माहे में 17 अक्टूबर तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। साथ ही अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश, गरज के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 16 अक्टूबर को लक्षद्वीप क्षेत्र और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

भारी बारिश के साथ गरज की संभावना

19 अक्टूबर तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम विज्ञानी ने यह भी कहा कि इस दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में अगले 5 दिन, यानी 20 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने कहा कि 20-21 अक्टूबर तक केरल, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु और द्वीपों के कुछ हिस्सों में छिटपुट और कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। इसी अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फरबाद, पश्चिम राजस्थान, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में छिटपुट बारिश होने की उम्मीद है।

वायु सेना के लड़ाकू विमान 'अंगद' और 'उत्तम' से होंगे लैस, स्वदेशी रूप से किया जा रहा विकसित

नई दिल्ली। सैन्य प्रणालियों के स्वदेशीकरण के लिए चल रहे प्रयासों के बीच एक महत्वपूर्ण कदम के तहत भारत में निर्मित हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) मार्क-1ए को उत्तम रडार और अंगद इलेक्ट्रानिक वायरफेयर सूट से लैस किया जाएगा। अब तक इसमें आयातित प्रणाली का उपयोग किया जाता था।

स्वदेशी रूप से किया जा रहा विकसित

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि उत्तम एक्टिव इलेक्ट्रानिकली स्कैंड एरे (एईएसए) रडार और अंगद इलेक्ट्रानिक वारफेयर सूट को स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है। यह बहुत जल्द एलसीए मार्क-1ए विमान के साथ इंटीग्रेट होने के लिए तैयार हो जाएगा।

83 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दे चुकी है वायु सेना

वायु सेना पहले ही 83 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों के लिए ऑर्डर दे चुकी है और निकट भविष्य में अन्य 97 विमानों के लिए ऑर्डर देने जा रही है। सूत्रों ने बताया कि 41वें विमान से लेकर 83 एलसीए मार्क-1ए विमानों के आर्डर तक इलेक्ट्रानिक वारफेयर सूट और एईएसए रडार भारत में बनाए जाएंगे। इससे इन विमानों में स्वदेशी उपकरण बढ़ेगा। इन्हें आयातित प्रणालियों की जगह लगाया जाएगा।

रक्षा उद्योग में पैदा होंगे विकास के अवसर

परियोजनाओं को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। एलसीए को स्वदेशी हथियार प्रणालियों से लैस करने पर रक्षा उद्योग में विकास के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। सूत्रों ने बताया कि उत्तम रडार ने निर्माण के चरण में भी बहुत आशाजनक परिणाम दिखाए हैं। यहां तक कि उच्च-स्तरीय लड़ाकू विमानों को भी इससे लैस करने पर विचार किया जा रहा है।

भगवान नहीं हैं जज, हाथ जोड़कर न करें बात; केरल हाईकोर्ट ने क्यों दे दी ऐसी सलाह

नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने साफ कर दिया है कि अदालत में जजों के सामने हाथ जोड़कर केस पेश करने की कोई जरूरत नहीं है। उच्च न्यायालय का कहना है कि वादियों और वकीलों का कोर्ट के सामने केस पेश करने का अधिकार है। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि जज अपना संवैधानिक कर्तव्य निभा रहे हैं और वे भगवान नहीं हैं। वादी कोर्ट में हाथ जोड़कर और आंखों में आंसू लेकर अपनी बात रख रही थी। इसके बाद कोर्ट ने यह टिप्पणी की।

मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने कहा कि भले ही अदालत को न्याय का मंदिर कहा जाता है, लेकिन बेंच पर कोई भगवान नहीं है। उन्होंने कहा कि

न्यायाधीशों को मर्यादा बनाए रखने के अलावा वादी या वकीलों से कोई अलग तरह के सम्मान की जरूरत नहीं है।

कोर्ट ने कहा, पहली बात, किसी वादी या वकील को कोर्ट के सामने हाथ जोड़कर केस पेश करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अदालत में मामली की सुनवाई उनका संवैधानिक अधिकार है। आमतौर पर कोर्ट को न्याय का मंदिर कहा जाता है, लेकिन बेंच पर कोई भगवान नहीं बैठे हैं। जज अपना संवैधानिक कर्तव्य निभा रहे हैं। वादियों और वकीलों को मामले की बहस के दौरान अदालत की मर्यादा को बनाए रखना चाहिए।

क्या था मामला

रमला कबीर अपने खिलाफ कई धाराओं में दर्ज FIR को रद्द कराने के लिए कोर्ट पहुंचीं थीं। उनपर आरोप थे कि कबीर ने अलप्पुझा में नॉर्थ पुलिस स्टेशन में सर्किल इंस्पेक्टर को बार-बार फोन पर अभद्रता की और धमकियां दीं। कबीर ने अदालत को बताया कि मामला झूठा है और पुलिस की तरफ से आरोप लगाए गए हैं।

कबीर ने बताया कि उन्हें एक प्रेयर हॉल के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी, जिसका इस्तेमाल इस तरह से हो रहा था कि ध्वनि प्रदूषण बढ़ने लगा था। उन्होंने आरोप लगाए कि सर्किल ऑफिसर को जांच के लिए कहा गया था और जब इसे लेकर पुलिस अधिकारी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने फोन पर अभद्रता की। इसके बाद कबीर ने सर्किल इंस्पेक्टर के बर्ताव को लेकर भी शिकायत की। उनका कहना कि सर्किल इंस्पेक्टर ने उनके खिलाफ काउंटर केस दर्ज किया है। पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने प्रथम दृष्टया पाया कि कथित अपराध नहीं किए गए हैं। ऐसे में कबीर के खिलाफ दर्ज केस रद्द कर दिया गया। साथ ही सर्किल इंस्पेक्टर के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं।

अग्निवीर गार्ड ऑफ ऑनर विवादः सेना का बयान- हम सैनिकों में भेदभाव नहीं करते; अमृतपाल ने आत्महत्या की

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने रविवार 15 अक्टूबर को देर रात एक बयान जारी किया, जिसमें लिखा कि अग्निवीर अमृतपाल ने सुसाइड किया था, इसलिए नियमों के मुताबिक उसे गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिया गया।

सेना के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ङ्क पर एक पोस्ट की गई। इसमें लिखा है कि अग्निवीर अमृतपाल सिंह ने संतरी ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।

अमृतपाल के अंतिम संस्कार में गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिया गया क्योंकि खुद को पहुंचाई गई चोटों से होने वाली मौत के मामले में यह सम्मान नहीं दिया जाता है।

सेना ने कहा कि अमृतपाल सिंह की मौत से जुड़े फैक्ट्स को लेकर गलतफहमियां और गलत बयानबाजी हुई है।

सेना अपने सैनिकों में इस आधार पर भेदभाव नहीं करती कि वे अग्निपथ योजना से पहले या बाद में सेना में शामिल हुए थे।

यह परिवार और भारतीय सेना के लिए बड़ा नुकसान है कि एक अग्निवीर ने ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मारकर सुसाइड किया।

हर सैनिक को मरणोपरांत उचित सम्मान देती है भारतीय सेना

बयान में यह भी कहा गया है कि किसी सैनिक की आत्महत्या या खुद से लगी चोट के कारण होने वाली मौत की घटना होने, सेना में एंट्री के तरीके की परवाह किए बिना सैनिक को उचित सम्मान दिया जाता है। हालांकि, ऐसे मामले 1967 के सेना आदेश के अनुसार सैन्य अंत्येष्टि के हकदार नहीं हैं। इस नीति का बिना किसी भेदभाव के लगातार पालन किया जा रहा है।

सेना के जारी किए आंकड़ों के अनुसार 2001 के बाद से हर साल 100-140 सैनिकों की मौत हुई है। ये मौतें आत्महत्या/खुद को लगी चोटों के कारण हुई हैं। इसी तरह के मामलों में सैन्य अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं दी गई। अंतिम संस्कार के लिए वित्तीय सहायता के अलावा मृतक के पद के अनुसार मदद की जाती है।

LoC के पास थी अमृतपाल की ड्यूटी, वहीं गोली लगी

अमृतपाल सिंह की ड्यूटी पुंछ जिले के मेंढर उपमंडल के मनकोट इलाके में रूष्ट के पास थी। ड्यूटी के दौरान उनके माथे पर गोली लगी। अमृतपाल को गोली लगने से 2 दिन पहले ही सेना ने 2 आतंकियों को मारा था। शुरुआती जांच में यही माना जा रहा था कि अमृतपाल को आतंकियों की गोली लगी थी।

2 फौजी प्राइवेट एंबुलेंस में अग्निवीर का शव लाए

अमृतपाल के निधन के बाद उनकी पार्थिव देह सेना के वाहन के बजाय प्राइवेट एंबुलेंस में लाई गई। यहां सेना के 2 जवान शव को छोड़ने के लिए आए थे। अमृतपाल का शव छोड़ने के बाद वह वहीं से चले गए।

संपादकीय

अक्षम्य लापरवाही

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने वीरवार को एनडीपीएस मामलों में पुलिसकर्मियों के गवाही न देने से क्षुब्ध होकर जो सख्त टिप्पणी की है, उसे पुलिस-तंत्र की आत्मा को झकझोरने वाला कहा जा सकता है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि नशा आग की तरह फैल रहा है। इसे रोकने में पुलिस नाकाम रही है। यह देश से विश्वासघात जैसा है। इसके लिये पुलिस अधिकारियों को माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े अपराधियों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत दर्ज मामलों में पुलिसकर्मियों के गवाही न देने पर कोर्ट खासा क्षुब्ध था। जिसके चलते अदालत ने गृह सचिव, डीजीपी व एसएसपी को फटकार लगाई। निस्संदेह, आये दिन सीमा पार से तस्करी के जरिये भारी मात्रा में नशा लाया जा रहा है। जाहिर है, यह घातक नशे का कारोबार देश के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों की साजिशों से ही हो रहा है। इसके बावजूद पुलिस अपने दायित्वों का निर्वहन न करे तो यह शर्मनाक ही कहा जायेगा। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस नशे के तस्करों व माफियाओं के खिलाफ ईमानदारी से काम नहीं कर रही है। जिसके चलते जनता का पुलिस से भरोसा उठ रहा है। कोर्ट ने एनडीपीएस मामलों में पुलिसकर्मियों के गवाही न देने पर सख्त प्रतिक्रिया जाहिर की। इतना ही नहीं, कोर्ट ने पंजाब के गृह सचिव, डीजीपी व अन्य आला पुलिस अफसरों को फटकार लगाते हुए माफी मांगने को कहा। अदालत का कहना था कि यदि एनडीपीएस मामलों में पुलिस अधिकारी गवाही देने के लिये पेश नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब है कि हमारा तंत्र पूरी तरह विफल है। इसे कोर्ट ने पुलिस व सरकार की विफलता बताया। कोर्ट का मानना था कि ऐसे मामलों में गवाही न होने से निर्दोष लोगों को अधिक समय तक जेल में रहना पड़ता है। कोर्ट ने ड्रग माफिया की जमानत की जिम्मेदारी का भी प्रश्न उठाया। दरअसल,कोर्ट इस बात से भी नाराज था कि हम दो साल से आदेश दे रहे हैं, लेकिन पालन नहीं हुआ। अदालत के अनुसार पुलिस की कारगुजारियों से उसकी जनता में छवि धूमिल हो रही है। जिसका यह अर्थ भी निकाला जा सकता है कि पुलिस का रवैया अपराधियों के प्रति उदार है। साथ ही यह कि सरकार को आश्वस्त करना चाहिए कि वह इस मामले में ठोस कार्रवाई करने जा रही है। वहीं कोर्ट में शीर्ष पुलिस अधिकारियों का तर्क था कि नशीली दवाओं और अन्य प्रकार के नशे के मामलों के चलते पुलिस पर काम का भारी दबाव है। साथ ही बताया कि हाल के दिनों में राज्य में भारी मात्रा में नशा सामग्री की बरामदगी हुई है। निस्संदेह, इस मामले में कोर्ट की चिंता से सहमत हुआ जा सकता है। पंजाब में नशे से उपजे संकट से जो हालात बन रहे हैं उसे समय रहते नहीं संभाला गया तो बहुत देर हो जाएगी। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि हम पुलिस का मनोबल नहीं गिराना चाहते लेकिन हालात बहुत चिंताजनक होते जा रहे हैं। यही कारण है कि कोर्ट को सख्त लहजे में कहना पड़ा कि पिछले दो साल में एनडीपीएस के जिन मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई है, उनमें गवाहों को लेकर शीघ्र हलफनामा दाखिल किया जाए। इस हलफनामे में सरकार को स्पष्ट करना होगा कि गवाह क्यों गवाही के लिये नहीं पहुंचे। साथ ही सरकार से कहा गया कि गवाही सुनिश्चित करने के लिये जो कदम उठाये जाएंगे, उनकी समय सीमा निर्धारित करके बतायी जाए। जाहिरा तौर पर इस मुद्दे पर कुछ राजनीतिक बयान भी आने ही थे।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

जीवन लीलती शिक्षा को खारिज करने का वक्त

अविजित पाठक

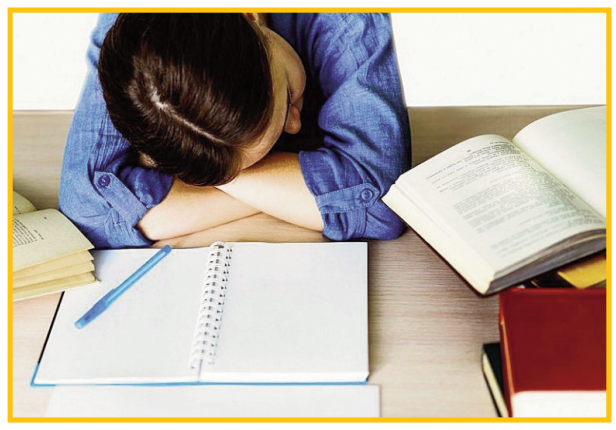

इन दिनों मुझे अत्यंत व्याकुलता का सामना कर पड़ रहा है। क्या हम छात्रों द्वारा आत्महत्याएं को एक आम बात समझकर रफा-दफा कर रहे हैं या फिर यह मानने लगे कि शिक्षा प्राप्ति एवं इससे संलग्न सफलता की दौड़ में यह तो रहता है- कुछ कमजोर और भावनात्मक रूप से नाजुक युवा हताशा में अपनी जान दे देते हैं? विश्वास कीजिए, मैं अक्सर मध्य-वर्गीय अभिभावकों और यहां तक कि अध्यापकों से इस विषय में बात करने का प्रयास करता हूं कि इस किस्म की पढ़ाई, शिक्षा की असल आत्मा को मार रही है और इससे सामाजिक विक्षिप्तता का सामान्यीकरण हो रहा है। मैं उन्हें राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़ों के जरिये समझाने की कोशिश करता हूं कि वर्ष 2021 में 13089 छात्रों ने खुदकशी की (औसतन 35 से अधिक प्रतिदिन)। फिर भी वे मानने को राजी नहीं- यह रवैया वर्तमान में पर्यावरण पर बन आए संकट की अलफ सच्चाई से मुंह मोड़ने जैसा है। आईआईटी संस्थानों के दिए आकंड़े के मुताबिक 2018-23 के बीच 33 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है और एनआईटी और आईआईएम में यह गिनती 61 है। इतना होने पर भी हमने इस विषय पर चुप्पी साधने की ठान रखी है या इसको एक अन्य भ्रंश की तरह लेते हैं। माल बनाने वाली फैक्टरियों सरीखे कोचिंग केंद्रों के लिए कुख्यात राजस्थान का शहर, कोटा जहां 'सफलता का स्वप्न' बेचा जाता है, उससे हमारा नाता दिनों-दिन बढ़ रहा है, भले ही इस साल जनवरी से अगस्त माह के बीच भी, हर महीने खुदकुशी का औसत तीन रहा है। बेशक, मुझे जीवन को नकारात्मक बनाने वाली इस अंधी दौड़ के पीछे ढांचागत और सामाजिक कारणों का बखूबी भान है- यानी, अत्यधिक जनसंख्या वाले मुल्क में नौकरियों की भारी कमी, नौकरी मिलने की संभावना में कला संकाय से हुई पढ़ाई को दोयम मानना और इसके नतीजे में इंजीनियरिंग, मेडिकल साइंस, बिजनेस मैनेजमेंट और अन्य तकनीकी कोर्सों के लिए बनी आसक्ति। संस्कृति और शिक्षा पर नव-उदारवाद की चोट से जीवन-आकांक्षा का बाजारीकरण और सबसे ऊपर, अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मकता या सामाजिक डार्विनवाद को स्वीकार्यता अर्थात् अन्यायी सामाजिक व्यवस्था में श्रेष्ठता या 'श्रेष्ठम ही जीने लायक' के सिद्धांत को मान्यता देकर जीवन का अंग बना डालना।

इस पर चुप्पी साधकर हम व्यवस्था का ऐसा सामान्यीकरण होना गवारा नहीं कर सकते। बतौर एक अध्यापक, मैं महसूस करता हूं कि हमें इस ढंग की शिक्षा व्यवस्था का आलोचक और नई संभावनाओं को तलाशने वाला बनना चाहिए। शिक्षा बचाओ आंदोलन किए बिना जड़ पकड़ चुकी व्यवस्था को बदला नहीं जा सकता। बेशक, हर छात्र आत्महत्या से नहीं मरा होगा, लेकिन फिर यह भी उतना ही सच है कि लगभग प्रत्येक युवा विद्यार्थी, जो इस शिक्षा प्रणाली का हिस्सा है, वह ऐसे माहौल में बड़ा हो रहा है जो मानसिक तनावों, अवसाद और विफलता के डर में बढ़ोतरी के लिए मुफीद है। वर्तमान व्यवस्था वह है, जिसे अर्थपूर्ण जीवन, प्रेम और सहयोग, नैतिकता, जीवनकाल के उतार-चढ़ावों का निश्चयपूर्ण सामना करने और शांत बने रहने की काबिलियत को सिखाने में जरा रुचि नहीं रखनी है। न ही ऐसी मानसिकता बनाने में, जो बच्चे को जीवन की सरलता में असली खजाना खोजने लायक बनाए, मसलन, नन्हे से पीले फूल पर अठखेलियां करती तितली के नज़ारे का आनन्द लेना, बुजुर्ग दादी मां के लिए चाय बनाना, खुशियों के पल उनसे साझा करना या फिर सर्दी की रात में रजाई में बैठकर कोई नॉवेल पढ़ना। इसके बरक्स मौजूदा शिक्षा प्रणाली तमाम पवित्र आकांक्षाओं और सपनों को मार रही है, यह युवा मानस को वह घोड़ा बना रही है, जो निरर्थक दौड़ में भागता रहे। स्कूल से लेकर उद्योग सरीखे बने कोचिंग केंद्रों तक, हमने अपनी शिक्षा का मतलब मानकीकृत परीक्षाओं में उत्तीर्ण करने वाली रणनीति बना दिया है। महान किताबें पढ़ने का आनंद, नूतन विचारों की खोज, विचार-विमर्श, विज्ञान-प्रयोगों से सीखना, साहित्य और कला आधारित पढ़ाई की जगह प्रवेश और मुख्य परीक्षाओं और इनकी तैयारी को अधिक महत्व देने से असली सिखलाई प्रभावित हुई है। आज अगर कुछ महत्वपूर्ण है तो दक्षता व सरपट गति, ताकि ओएमआर शीट पर सही उत्तर के खाने पर तेजी नशान लगाने की काबिलियत बने।

कोई हैरानी नहीं कि एसीसीक्यू-केंद्रित परीक्षाएं उत्तीर्ण करना सिखाने वाली पुस्तकें युवा शिक्षार्थी की सोच में समाई हुई है। जी हां, ऐसा मानस सौंदर्य-बोध, सृजनशीलता और उत्कंठा से विहीन हो जाता है। जिस किस्म की बुद्धिमत्ता को भाव दिया जा रहा है, वह पूर्णतया मशीनी है, जिसमें कोई सृजनशील कल्पना या दर्शन के प्रति जिज्ञासा नहीं है। आप कोचिंग केंद्र के किसी रणनीतिकार से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वह बच्चे को सूर्यास्त का नज़ारा, कविता पढ़ने का आनंद या प्रेरक फिल्म की सराहना करना सिखाएगा। वह प्रशिक्षक तो केवल आपके बच्चे को और तेज दौड़ना, दूसरों को पछाड़ना, भौतिकी या गणित को केवल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने का औजार बनाना, आईआईटी-जेईई और नीट जैसी परीक्षा में प्राप्त स्थान से अपनी काबिलियत आंकने वाली मानसिकता ही बना सकता है। इस किस्म की शिक्षा पद्धति शिक्षार्थी को केवल सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक रूप से गरीब बनाती है। यह उसके चित्त को जीवन के उतार-चढ़ावों या अस्तित्व संबंधी गहरी खोज पर मनन के लिए तैयार नहीं करती। इसी तरह की मशीनी शिक्षा कार्ल मार्क्स की उस परिभाषा को वैध बनाती है, जिसे वे 'वस्तु आसक्ति' कहा करते थे। जी हां, वह यह मानकर चलती है कि हमारे बच्चों को इस तरह तैयार किया जाए मानो वे कारखाने से निकली एक वस्तु या दाम की चिंदी लगी चीज़ हो। उच्च शिक्षा में सम्मान का सूचक बना दिए गए आईआईटी और आईआईएम संस्थानों में दाखिला पाना- जो मध्यवर्गीय अभिभावकों के लिए अपने बच्चों के भविष्य का अंतिम मोक्ष-धाम है- इसने युवा मस्तिष्कों को बढ़िया नौकरी और मोटी पगार की मिथकों से सम्मोहित कर रखा है। यदि हमारे बच्चे अपने आप में एक विलक्षण और आत्मनिर्भर व्यक्तित्व बनने की बजाय महज एक निवेश या बिकने की वस्तु बनकर रह जाएं, तो हम एक विक्षिप्त, व्याकुलता-ग्रसित और अत्यंत-तनावयुक्त पीढ़ी बनाने में लगे हैं। भले ही मौजूदा व्यवस्था से आगे चलकर 'प्रेरणादायक वक्ताओं' और 'स्व-सहायता' पुस्तकों का एक अन्य बाजार बन जाए, लेकिन इससे आत्महत्याओं की बढ़ती प्रवृति पर रोक लगाना असंभव है। बतौर अध्यापक-शिक्षाविद-चिंतातुर नागरिक, हमें जागना होगा, आवाज़ उठानी होगी, जीवन-लील शिक्षा को खारिज करना होगा, नव-जागृति निर्माण और बच्चों को जीवन का अलग नज़रिया देना होगा- जो जीवन को सुदृढ़ और सौहार्द से परिपूर्ण करे।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

नारी समता अभी भी महज मृग मरीचिका

दीपिका अरोड़ा

आखिरकार लोकसभा-राज्यसभा में पारित हुआ 'नारी शक्ति वंदन बिल', राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के उपरांत कानून बन चुका है। निश्चय ही प्रेरक पहल के तौर पर यह एक सराहनीय विषय है, वर्षों से उठती चली आई मांग अंतत- किसी निर्णायक मोड़ तक तो पहुंची! विश्लेषण करें तो महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला समावेशी विकास दूरगामी प्रभावों के साथ क्रांतिकारी परिवर्तन के लिए एक उत्प्रेरक है जो युग-युगांतर प्रतिध्वनित होता है। नारी नेतृत्व क्षमता में अपार मानसिक सुदृढ़ता के साथ कोमल भावनाएं समाविष्ट होने के कारण न्यायिक प्रतिबद्धता को अपना यथेष्ट स्थान मिलने की संभावनाएं भी प्रबल रहती हैं। स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी समता के नाम पर, देश की आधी आबादी को 50 फीसदी की अपेक्षा सिर्फ़ 33 फीसदी अधिकार मिलना खलता तो अवश्य है किंतु महिला प्रतिनिधित्व बढ़कर एक-तिहाई होने से वर्तमान समाज में फैली नारी उत्पीड़न समस्याओं में विशेष सुधार होने की आस जगना भी अपने आप में कम महत्वपूर्ण उपलब्धि नहीं। ख़ैर, बदलते समय की इस चिर-प्रतीक्षित आहट से समाज में नारी की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने की उम्मीद भले प्रबल हुई हो किंतु यदि नर-नारी समानता को वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट-2023 के अनुमानित दृष्टिकोण से देखा जाए तो भारत की महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष आने में अभी 149 वर्ष लगेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक़, वैश्विक स्तर पर भी लैंगिक भेदभाव के समापन में अभी 131 साल बाकी हैं। वर्ष 2006 से 2023 के दौरान लैंगिक समानता में केवल चार फीसदी सुधार होने का अनुमान है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर समानता सिर्फ़ 68 फीसदी तक पहुंच बना पाई, जबकि भारत में इसकी मौजूदा स्थिति 64 फीसदी है। धीमी गति के चलते वर्ष 2154 से पूर्व इसका 100 फीसदी तक पहुंच पाना मुश्किल है, जबकि भारत को इस संदर्भ में 18 वर्ष अतिरिक्त लगेंगे।

वैतनिक समानता के अधिकार को झुठलाती रिपोर्ट बताती है कि वर्क फ़ोर्स में महिलाओं की 37 फीसदी प्रतिभागिता सहित हम 139वें स्थान पर हैं। समान कार्य के लिए महिलाओं को पुरुषों के समान वेतन देने की बात करें तो इस संबंध में वैश्विक स्तर पर हमारा देश अभी 116वें पायदान पर है। महिला-पुरुष की अनुमानित आय में मौजूद अंतर देखा जाए तो हम 141वें स्थान पर आते हैं। जन्म के समय लिंगानुपात में हम 140वें तथा स्वस्थ जीवन जीने में 137वें रैंक पर हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है, महिलाओं को पुरुषों के मुक़ाबले आर्थिक समानता पाने में 169 वर्ष लग सकते हैं तथा राजनीतिक समानता प्राप्ति हेतु 162 वर्ष प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। संसद में महिला प्रतिभागिता की बात करें तो हमारा देश 117वें स्थान पर आता है। महिला मंत्रियों के अनुपात में हम 146 देशों की सूची में 132वें स्थान पर हैं। देश की केवल 17 फीसदी कंपनियों के बोर्ड में महिलाएं हैं। मात्र 2 फीसदी कंपनियों में ही महिला-स्वामित्व पाया गया। नारी साक्षरता दर तथा प्राथमिक शिक्षा के विषय में भले ही हम 25 अन्य देशों सहित संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हों किंतु कदाचित बात रोज़गार अवसरों की हो तो देश का एक बड़ा प्रतिशत इससे वंचित है। किसी भी रूप में नारी शोषण-उत्पीड़न तथा उसके विरुद्ध आपराधिक एवं दुष्कर्म मामलों का प्रतिपल संज्ञान लिया जाए तो हृदय दहल जाता है। निश्चय ही नारी प्रतिनिधित्व में बढ़ोतरी से स्थिति सुधरने की कामना कर सकते हैं किंतु चाहकर भी उन तथ्यों को नहीं नकार सकते जो प्रथम दृष्टया ही नारी प्रतिनिधित्व पर पुरुषत्व हावी होने का अंदेशा दे जाते हैं। कतिपय अपवाद छोड़ दें तो बहुधा देखने में आया कि प्रतिनिधित्व की कमान नारी के हाथ में होने के बावजूद कमांड किसी पारिवारिक अन्य पुरुष की ही चलती है। विचारणीय है, जब नारी की कार्यक्षमता व सोच पर दबाव बनाकर उसे महज़ एक कठपुतली की भांति प्रयुक्त किया जाए तो स्थिति में सुधार आने की गुंजाइश ही कहां रह जाती है? नारी की प्रतिभा का सही उपयोग तो तभी हो सकता है, जब उसे साधिकार स्व-निर्णय लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। नारी के प्रति सामाजिक सोच का दायरा बढ़ाए बिना समानता की कल्पना करना मात्र एक मृगमरीचिका है। दो आवश्यक शर्तों के आवरण में प्रदत्त 'नारी शक्ति वंदन कानून' के लागू होने की राह भी भला कहां इतनी सरल है? दीर्घकाल से लंबित जनगणना पूर्ण होने एवं संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत परिसीमन; दोनों ही मुद्दों को लेकर कई विवाद हैं। इंडिया गठबंधन द्वारा जातिगत गणना की मांग के रूप में एक अन्य अवरोधक उठ खड़ा हुआ है। नारी सशक्तीकरण के अंतर्गत शृंखलाबद्ध प्रयास से यह कानून देश में कब और कितना सार्थक परिवर्तन लाएगा एवं कब तक आधी आबादी की समता को पूर्णता तक पहुंचाएगा, यह तय होने में तो संभवत- काफी समय लग सकता है। फ़िलहाल तो यही देखना है, सशर्त लागू होने की मांग उठाता यह आरक्षण विधेयक नारी प्रतिनिधित्व को समता के अंतिम सोपान तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा अथवा अन्य कई कानूनों की भांति मात्र एक चुनावी जुमला भर बनकर रह जाएगा!

विचार मंथन

युद्ध में किसी एक का नहीं,दोनों का ही सर्वनाश

(लेखक- सनत जैन)

इजराइल और फिलीस्तीन के बीच जंग चल रही है। दसवे दिन भी जंग जारी है। इस जंग में ईरान, रूस हिज्बुल्लाह, तथा 22 इस्लामिक देश भी शामिल हो गए हैं। सोमवार को इस लड़ाई ने नया रूप ले लिया है। हिज्बुल्लाह ने लेबनान की सीमा से दूसरा मोर्चा खोल दिया है। इजराइल अभी दो मोर्चे पर एक साथ लड़ रहा था। इजराइल के भी हजारों सैनिक मारे गए हैं। वही हमास संगठन के भी हजारों लोगों के साथ-साथ हजारों आम नागरिक भी इस लड़ाई में मारे जा चुके हैं। इजराइल जिस तरह से गाजा पट्टी में आंख मूंद कर हमले कर रहा है। उसमें फिलिस्तीनी नागरिकों के साथ-साथ इजरायली नागरिकों ओर उसके बंधकों को मारे जाने की भी संभावनाएं सामने आने लगी हैं। फिलीस्तान शासित गाजा पट्टी में जिस तरह से जमीन के अंदर मीलो लंबी सुरंग और बँकर है। उसमें हमास के हजारों लडाके छिपे होने की संभावना इजराइल जता रहा है। हमास के लड़ाकों ने इजरायली बंधकों को भी अपने साथ रखा हुआ है। इजराइल जिस तरीके से गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है। उसमें हमास के सैनिकों के साथ-साथ इजरायल के बंधकों के मारे जाने की भी संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। जिस तरह रॉकेट से हमले कर बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों को ढहा दिया गया है। उसके मलमे हजारों लोगों के शव दफन होने की बात कही जा रही है। हमास के लड़ाकों ने अपनी सुरक्षा के लिए जैसे ही इजरायल की सेना सुरंग मे दाखिल होगी। हमास के लडाके पीछे से हमला करके इजरायली सेना को नेस्तनाबूत करने का काम करेंगे। इजरायल की सेना भी फिलिस्तीनी नागरिकों को मानवीय ढाल के रूप में इस्तेमाल कर बंधकों को छुड़ाने की योजना बनाकर हमले कर रहा है।इसराइल और हमास संगठन दोनों ही इस लड़ाई में आर पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है। दोनों ही एक दूसरे के अस्तित्व को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस लड़ाई में 22 अरब देश की शामिल हो गए हैं।इसके साथ ही रूस ने अब खुलकर फिलिस्तीन का साथ देना शुरू कर दिया है। इसके लिए हथियार भी सप्लाई किये जा रहे हैं। जिसके कारण तृतीय विश्व युद्ध की आशंका के बादल गहराने लगे हैं। भारत में महाभारत का युद्ध सर्वव्यापी है। यह युद्ध कौरव और पांडवों के बीच हुआ था। उस समय श्री कृष्णा स्वयं अवतार के रूप में युद्ध में सारथी के रूप में उपस्थित थे। युद्ध का परिणाम पांडवों के पक्ष में गया।लेकिन राज करने के लिए पांडवों के पास भी कुछ रह नहीं गया था। ना पांडवों के हाथ कुछ लगा और ना कौरवों के हाथ कुछ लगा। हां धर्म की स्थापना और धर्म का नाश हुआ यह जरूर कहा जा सकता है। इसराइल के प्रधानमंत्री नित्य नियम के खिलाफ पिछले कई महीनो से आंदोलन चल रहे थे सत्ता को बचाए रखने के लिए धर्म की आड़ लेकर जो युद्ध शुरू किया गया है उसके परिणाम स्वरुप मानवता का जो नुकसान हो रहा है उसको देखने के बाद भी सत्ताधारियों के दिल पसीज नहीं रहे हैं प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध मैं मानवता के साथ-साथ धन संपत्ति और प्रकृति भी बड़े पैमाने पर नष्ट हुई थी।

उससे भी हम सबक लेने के लिए तैयार नहीं है। सत्ता में पकड़ मजबूत रखने के लिए सत्ता में बैठे हुए लोग अपने अहं और सत्ता में बने रहने के लिए किस तरह नुकसान पहुंचाते हैं समय रहते यदि इसे समझ लिया जाए तो बेहतर होगा।

शास्त्री नगर में युवाओं ने भाजपा में जताई आस्था

करनाल। संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आज शनिवार को शास्त्री नगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। रतनगढ़ सरपंच प्रतिनिधी प्रवीण द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी में अपनी आस्था जताई उन्हें भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल होने पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को काम चाहिएं और भाजपा राज में सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास की निति को क्रियान्वित करते हुए जमकर काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिना भेदभाव के जमकर विकास कार्य हो रहे हैं। जिला विस्तारक शशि दुरेजा ने कहा कि भाजपा आज जन-जन की लोकप्रिय पार्टी बन चुकी है। लोगों का भाजपा पर पूरा विश्वास हैं। देश और प्रदेश का भला केवल भाजपा ही कर सकती है। राम नगर मंडल अध्यक्ष राजेश अग्गी ने कहा कि प्रदेश में हो रहे विकास को देखकर विपक्ष पूरी तरह से बौखलाया हुआ है। जनता के आशीर्वाद से भविष्य में भी भाजपा इसी तरह सबको साथ लेकर चलेगी और विकास की गंगा यूं ही बहती रहेगी। इस अवसर पर महामंत्री प्रमोद नागपाल व जगत सिंह, मोहन लाल, सुशील कुमार, मोनू पांचाल, विकास कश्यप, प्रिंस चौधरी, साहिल, सोनू, अरुण, रवि, परदिप भी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग की खुली पोल, मोबाइल की लाइट जला हो रहा घायल का इलाज

रोहतक। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का दावा करने वाले स्वास्थ्य विभाग की पोल खोलने वाला वीडियो सामने आया है। जिसमें एंबुलेंस में लाइट न होने के चलते स्वास्थ्य कर्मचारी एक घायल का मोबाइल टॉर्च जलाकर इलाज कर रहे हैं। वह भी जब स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस को डायल 112 से जोड़ा गया है। वहीं जिला स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बिरला ने कहा यह मामला उनकी नॉलेज में नहीं है, यदि ऐसा पाया गया तो संबंधित कर्मचारियों पर गाज गिरना तय है। वीडियो में एंबुलेंस का चालक मोबाइल टॉर्च जलाए हुए हैं, तो वहीं स्वास्थ्य अधिकारी एक्सीडेंट में घायल हुए युवक का इलाज कर रहा है। हरियाणा सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सबसे बेहतर बता रही है लेकिन एक वीडियो इस स्वास्थ्य विभाग की पोल खोल रहा है। दरअसल रोहतक जींद रोड पर फैक्ट्री में काम करने वाले एक युवक का एक्सीडेंट हो गया था। जिसके बाद पीड़ित ने 108 पर कॉल कर एंबुलेंस बुलवाई। इसी दौरान नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से एंबुलेंस भी पहुंच गई। उस वक्त रात के करीब 8-30 बजे का वक्त हुआ था लेकिन एंबुलेंस में लाइट नहीं थी। ऐसे में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मोबाइल की टॉर्च जलाकर घायल का इलाज किया। इसी दौरान का एक वीडियो सामने आया है जिसमें स्वास्थ्य कर्मचारी मोबाइल की लाइट जलाकर काम कर रहे हैं। जब स्वास्थ्य कर्मचारियों से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने मीडिया से बात करने के लिए मना कर दिया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बिरला का कहना है कि उनकी नॉलेज में ऐसा मामला नहीं है यदि ऐसा पाया गया तो संबंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि रोहतक में एंबुलेंस को डायल 112 से जोड़ा गया है ताकि अप्रिय घटना होने के चलते तुरंत स्वास्थ्य सेवाएं भी पहुंचाई जा सके। लेकिन बड़ा सवाल यह उठता है यदि घटना रात को होती है तो ऐसे में पर्याप्त संसाधन न होने के चलते मरीज की जान पर भी बन सकती है।

काजीवाड़ा की गलियों में बरसाती पानी की निकासी पर खर्च होंगे 28 लाख

अम्बाला शहर। स्थानीय विधायक असीम गोयल ने वार्ड नंबर 8 काजीवाड़ा की गलियों में बरसाती पानी की निकासी के लिए पीवीसी पाइपलाइन डालने के कार्य का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर सीनियर डिप्टी मेयर मीना ढींगरा ने अपने वार्ड में पहुंचने पर विधायक असीम गोयल का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया, वहीं काजीवाड़ा वासियों ने फूलमालाओं से विधायक का स्वागत किया। विधायक असीम गोयल ने कन्या के हाथों कार्य का शिलान्यास करवाते हुए कहा कि काजीवाड़ा वासियों की यह एक बहुत ही पुरानी मांग थी कि गलियों में बरसाती पानी की निकासी का समाधान किया जाए। जब यह बात उनके संज्ञान में आई तो तुरंत अधिकारियों को इसके समाधान के निर्देश दिए। इस पर कार्रवाई करते हुए आज लगभग 28 लाख रुपए की लागत से काजीवाड़ा की गलियों में बरसाती पानी की निकासी के लिए पीवीसी पाइपलाइन डालने के कार्य का शिलान्यास किया गया है। इस कार्य के होने से यहां के लोगों को बरसाती पानी की निकासी से काफी राहत मिलेगी। इस अवसर पर सुंदर ढींगरा, गुरप्रीत शाना, ध्रुव, अनिल गुप्ता, दीपक चावला, ललित अरोड़ा, मास्टर रामचंद्र, कृष्ण लाल, गुलशन कुमार, गोल्डी, इंदरजीत सहनी, गगन कोहली, महेश कालड़ा, मनमोहन लांबा, सुधीर चोपड़ा मौजूद रहे।

विनोद पाल होलकर 2023 राष्ट्रीय आपदा फरिश्ता सम्मान से किया सम्मानित

कुरुक्षेत्रा। यूथ ब्लड डोनेशन समिति झांसा के अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय अवॉर्डी विनोद पाल होलकर को वर्ष 2023 राष्ट्रीय आपदा फरिश्ता सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान नई दिल्ली के राष्ट्रीय संविधान सभागार में जीवन जागृत समिति की ओर से लोकनायक जयप्रकाश आपदा फरिश्ता राष्ट्रीय से सम्मानित किया गया। जिसमे देश भर से 551 लोगों का चयन किया गया था अंत में शॉर्ट लिस्ट कर महज 51 लोगों को नई दिल्ली संविधान सभागार में सम्मानित किया गया। अवार्ड मिलने पर विनोद पाल ने समिति का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार से किए गए कार्यों से सामाजिक कार्य में लगे लोगों में हौसला और जज्बा पैदा होता है, जिससे वे अधिक से अधिक बढ़कर चढकर जन सेवा और राष्ट्र सेवा के कार्य में भाग ले। उन्होंने यह सम्मान उनके संघर्ष के साथी और गांव वासियों को समर्पित किया। इससे पहले भी विनोद पाल होलकर को रक्तदान क्षेत्र और समाज सेवा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर के अवार्ड मिल चुके हैं। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार, सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शिव कीर्ति सिंह, पूर्व आईपीएस नवीन चंद्र झा भारतीय उच्च आयोग लंदन, केएम पूर्व आईएएस, ब्रिगेडियर सर्वोत्तम सिन्हा सहित देश में देशभर की जानी-मानी हस्तियां मौजूद रही।

डेंगू सहित अन्य बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतें नागरिक-डीसी

करनाल। डीसी अनीश यादव ने जिला के नागरिकों से गर्मी के मौसम में डेंगू सहित अन्य बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने की सलाह दी है। डेंगू से बचाव लिए सतर्कता व जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन को डेंगू से बचाव बारे सचेत व जागरूक किया जा रहा है। डेंगू की रोकथाम के लिए जन समुदाय की सहभागिता बेहद जरूरी है। डीसी ने बताया कि मच्छर प्रजनन स्थलों को चिह्नित कर तथा मच्छर प्रजनन रोकने के उपायों के बारे में आम जनता को जागरूक किया जा रहा है। नागरिकों को पानी की टंकी तथा घरों के पानी के बर्तनों को ढक कर रखने, दिन में मच्छरों के काटने से बचाव को लेकर व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है। हर संडे मनाएं ड्राई डे - डीसी डीसी ने आमजन से आह्वान किया कि वे प्रत्येक रविवार को अपने घर में ड्राई डे के तौर पर मनाएं व सभी पानी के बर्तनों, कूलर, टंकी, फ्रिज ट्रे, गमलों इत्यादि को खाली करके सुखाएं ताकि मच्छर के अंडे व लार्वा मर जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि डेंगू रोकने के लिए घरों के आस-पास गड्ढे को मिट्टी से भरवा दें, पूरी बाजू के वस्त्र पहने, मच्छर रोधी दवा या क्रीम का उपयोग करें। कीटनाशक दवाई से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें, छतों पर रखी पानी की टंकियों को ढक्कन लगाकर बंद रखें, बुखार आने पर डॉक्टर की सलाह अवश्य लें। इनमें से कोई भी लक्षण होने पर तुरन्त अपने नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में खून की जांच करवाएं। चिकित्सक की सलाह से ही दवा लें, स्वयं से दवा का सेवन न करें। डेंगू के लक्षण एवं बचाव के उपाय - डीसी उपायुक्त ने बताया कि डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है, जिससे बचाव जरूरी है। उन्होंने बताया कि यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द और आंखों के पीछे दर्द हो तो सतर्क हो जाएं। त्वचा पर लाल धब्बे या चकत्ते का निशान, नाक-मसूड़ों से या उल्टी के साथ रक्त स्राव होना डेंगू के लक्षण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो तत्काल अस्पताल जाएं और अपना इलाज करवाएं।

अग्रोहा में खुदाई का अग्रवाल वैश्य समाज ने किया स्वागत

चंडीगढ़। जल्द ही भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण और पुरातत्व विभाग हरियाणा मिलकर ऐतिहासिक स्थल अग्रोहा में संयुक्त रूप से पुरातात्विक सफल की खुदाई करेंगे। खुदाई के बाद हरियाणा सरकार हरियाणा के राखीगढ़ी की तर्ज पर अग्रोहा को विकसित करेगी। केंद्र सरकार ने राखीगढ़ी मॉडल के अनुसार, एमओयू के माध्यम से अग्रोहा पुरातात्विक स्थल और आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास को मंजूरी दे दी है। अग्रोहा को पुरातात्विक स्थल महाराजा अग्रसेन की राजधानी माना जाता है। इस स्थान के विकास से न केवल आस्था का यह केंद्र विश्व में अपनी पहचान बनाएगा बल्कि यह स्थान पर्यटन स्थल के रूप में भी प्रसिद्ध हो जाएगा। यह बात हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर प्रदेश की जनता को बधाई दी और हिसार एयरपोर्ट का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम पर रखने का ऐलान किया। बता दें कि हिसार जिले में केंद्रीय संरक्षित स्थल अग्रोहा में उत्खनन को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अगस्त माह में केंद्रीय संस्कृति मंत्री किशन रेड्डी को पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री ने इच्छा व्यक्त की थी कि हरियाणा सरकार प्रसिद्ध ऐतिहासिक शहर अग्रोहा में पुरातात्विक विरासत को उजागर करना चाहती है ताकि राज्य के सांस्कृतिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़े। उन्होंने इस स्थल को हरियाणा में एक भव्य विरासत स्थल में बदलने और एक पुरातात्विक स्थल संग्रहालय और व्याख्या केंद्र स्थापित करने के लिए एक परियोजना शुरू करने का भी अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ी महाराजा अग्रसेन के इतिहास को पढ़ सके ऐसा केंद्र स्थापित किया जाएगा और यहां पर संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार संत महापुरुष विचार प्रचार योजना के तहत विभिन्न समाज के महापुरुषों के विचारों को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इसी के अंतर्गत महाराजा अग्रसेन की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के महासचिव राजेश सिंगला ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अग्रोहा में खुदाई का ऐलान कर अग्रवाल वैश्य समाज की पुरानी मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि इससे अग्रोहा को विश्व पटेल पर उभरने का मौका मिलेगा और महाराजा अग्रसेन की शिक्षा और नीति लोगों के बीच ज्यादा तेजी से प्रचारित हो सकेगी, जिसका पूरे समाज और पूरे देश को लाभ होगा। अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश प्रवक्ता धर्मवीर केमिस्ट ने कहा कि खुदाई के दौरान अग्रोहा के सिक्कों की खोज और महाभारत सहित प्राचीन साहित्य में इसके प्राचीन नाम अग्रडोका की उपस्थिति इसके गणतंत्र का मुख्यालय होने के पर्याप्त प्रमाण हैं। अग्रोहा शहर तक्षशिला और मथुरा के बीच प्राचीन व्यापार मार्ग पर स्थित था।

चंडीगढ़ के श्री सनातन धर्म मन्दिर में नवरात्रि पर मां दुर्गा के वाहन शेरों की हुई स्थापना

चंडीगढ़- आज श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 48 सी चंडीगढ़ मे शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व बड़े हर्षो उल्लास व धूमधाम से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में मां भगवती का पूजन अर्चन, घट स्थापना बड़े विधि विधान से की गई। मंदिर परिसर मे मां भगवती के दरबार के आगे उनके दिव्य वाहन पीतल के दो भव्य शेर पूजन अर्चन के साथ स्थापित किए गए। माता के यह दोनों शेर मुरादाबाद से बनवाए गए जिनको बनाने के लिए सवा महीना का समय लगा। ट्राई सिटी के अंदर श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 48 सी ऐसा पहला मंदिर है जिसमें माता के ऐसे दो भव्य शेरों को स्थापित किया गया। इनके दर्शन मात्र से ऐसा प्रतीत होता है की जैसे साक्षात मां भगवती इन पर विराजमान हो। इस अवसर पर मां भगवती को चांदी का छत्र भी अर्पण किया गया। शाम को 108 ज्योति से मां भगवती की दिव्य आरती की गई व खीर और केले का प्रसाद वितरित किया गया।

मंदिर के मुख्य संरक्षक प्रसिद्ध अधिवक्ता अजय कौशिक ने यह भी बताया कि शेरों की स्थापना डॉ. सुभाष गोयल व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अरुणा गोयल द्वारा की गई। चांदी का छत्र श्री ओमप्रकाश कपूर एनआरआई द्वारा भेंट किया गया।

मंदिर की महिला सकीर्तन मंडली द्वारा कीर्तन और भजन गाकर माता का गुणगान किया गया। तत्पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया।

इस शुभ अवसर पर श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 48 चंडीगढ़ से सीताराम अग्रवाल प्रधान, देवेंद्र पाल सिंह ठाकुर महासचिव, श्याम लाल टंडन वरिष्ठ उप प्रधान, अतुल कौशिक उपप्रधान, रतनलाल, विजय जिंदल, आर के गुप्ता , देशराज रिखी व मंदिर सभा के सभी पदाधिकारी व भक्त जनों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

जालंधर में धार्मिक तस्वीरों के साथ बेअदबी, नाले में फेंकी धार्मिक तस्वीरें

जालंधर। जालंधर के गुलाबदेवी रोड पर आपसी विवाद को लेकर दो गुट आमने सामने हो गए। इस दौरान एक गुट द्वार दुकान पर बेचने के लिए रखी गई धार्मिक तस्वीरें गंदे नाले में फेंक दी गई। इसके बाद मौके पर हड़कंप मच गया और लोगों द्वारा जमकर हंगामा किया गया। मौके पर इकट्ठा हुए लोगों द्वारा धार्मिक तस्वीरें गंदे नाले में फेंकने वाले आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही थाना बस्ती बावा खेल मौके पर पहुंची है। उन्होंने बताया कि उन्हें इलाके में बेअदबी की घटना होने की जानकारी मिली है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरु कर दी है। इसके साथ ही आरोप लगाए जा रहें हैं कि बेअदबी करने वाला युवक नशे करता है और नशा बेचता भी है। उसका पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसके बाद उसने दुकान पर रखी गई धार्मिक तस्वीरें गंदे नाले में फेंक दी। इस दौरान लोगों द्वारा आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। लोगों की कहना है कि अगर पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वह थाने का घेराव करेंगे।

पिछड़े वर्गों के हितों के लिए 22 अक्तूबर को बैरागी धर्मशाला में होगी आमसभा

जींद-पिछड़े वर्गों के कल्याण एवं उत्थान के लिए 22 अक्तूबर को प्रातः साढ़े 10 बजे बैरागी धर्मशाला जींद में आमसभा का आयोजन किया जाएगा। इस आम सभा में बीसी ए व बी के अधिकारों,आरक्षण एवं हितों की प्रभावी ढंग से पैरवी के लिए जींद जिला स्तरीय पिछड़ा वर्ग कल्याण महासभा की कार्यकारिणी गठित की जाएगी। इस कार्यकारिणी में आपसी सहमति से बीसी के विशेषकर समाज सेवियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस आशय का फैसला पिछड़े वर्गों के गणमान्य एवं बुद्धिजीवी लोगों ने जींद स्थित वार्ड नम्बर सात के राज नगर में निजी आवास पर बैठक कर लिया गया। पिछड़े वर्ग के जयकुमार पंवार,जोगेन्द्र जांगड़ा, डीआईपीआरओ रिटायर्ड सुरेन्द्र कुमार वर्मा, रविन्द्र शास्त्री, रणबीरसिंह सैन, सूरतसिंह सैन व अन्य नागरिकों ने कहा कि विधायिका एवं न्यायपालिका में ओबीसी को जनसंख्या के आधार पर उनका हक मिलना चाहिए और देश व हरियाणा प्रदेश में पिछड़े वर्गों के खाली पड़े पद शीघ्र भरे जाएं। इस बैठक में लोकसभा, राज्यसभा एवं विधानसभाओं में पिछड़े वर्गों को आबादी के हिसाब से आरक्षण देने की मांग की गई । इसके अलावा महिला आरक्षण बिल में ओबीसी की महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने, पिछड़े वर्गों को नौकरियों एवं दाखिलों में अनुपातिक तौर पर आरक्षण देने व खाली पड़े पदों को शीघ्र भरने,पदोन्नति में आरक्षण का प्रावधान करने एवं ग्राम पंचायत-स्थानीय निकाय से लेकर ऊपर तक अन्य राजनैतिक अधिकारों की सरकार से मांग की गई। जयकुमार पंवार ने कहा कि पिछड़ा वर्ग तभी आगे बढ़ेगा जब इनको राजनीति में जनसंख्या के आधार पर रिजर्वेशन और सरकार में हिस्सेदारी मिलेगी। बुजुर्ग सूरतसिंह सैन,कलमसिंह,सुधीर शास्त्री, डीआईपीआरओ रिटायर्ड सुरेन्द्र वर्मा,सैन समाज के जिला प्रधान रणबीरसिंह,रविन्द्र शास्त्री,जिलेसिंह आर्य,विजय जांगड़ा ने पिछड़े वर्गों के राजनैतिक अधिकारों की मांग उठाई। उन्होंनें सरकार से पिछड़े वर्गों की मांगे मनवाने के लिए हम सब को एकजुटता के साथ आपसी भाईचारा मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंनें कहा कि केन्द्र सरकार ने क्रीमीलेयर की आय सीमा को 8 लाख रूपये कर रखा है जबकि हरियाणा सरकार ने इसको घटाकर 6 लाख रुपये किया हुआ है जो कि पिछड़े वर्गों के साथ अन्याय है। पिछड़े वर्गों के हितार्थ अन्य कई मुद्दों पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर पिछड़े वर्ग के लोगों ने अपने- अपने विचार एवं सुझाव रखे और एक मत से प्रस्ताव पारित किया गया कि जींद स्थित बैरागी धर्मशाला में पिछड़े वर्गों की बिरादरियों का आगामी 22 अक्तूबर को प्रातः साढ़े 10 बजे जिला स्तरीय आमसभा बुलाकर एक कमेटी का गठन किया जाएगा ताकि इसके माध्यम से ओबीसी की मांगों एवं अधिकारों की प्रभावी ढंग से पैरवी की जा सके और पिछड़े वर्गो के हित सुनिश्चित व सुरक्षित हों। इस बैठक में जिला जींद के पिछड़े वर्गों के समाज सेवी लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस मौके पर पिछड़े वर्ग के एडवोकेट गीता परमार, सुधीर शास्त्री, रविन्द्र प्रकाश फौजी, महेन्द्र सिंह पंवार, हुकमचन्द, डा धर्मचन्द, रामकुमार, रामधारी,जयपाल, सुरेन्द्रसिंह, सतबीर, राजकुमार, अशोक सैनी,देशराज, रविन्द्र, राजबीर एवं अन्य बुद्धिजीवियों ने भी भाग लिया।

पीएम एफएमई उद्योग उन्नयन योजना के तहत 10 लाख तक सहायता ऋण पूंजी पर दी जाती है 35 प्रतिशत सब्सिडी : डीसी

करनाल। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत छोटे और लघु व्यवसाय करने वाले नागरिकों को स्वरोजगार के लिए 10 लाख रूपए तक सहायता ऋण पूंजी पर 35 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। ऋण सहायता के साथ ही सरकार कौशल प्रशिक्षण भी देती है। ब्रांडिंग और विपणन के लिए सहायता कुल व्यय की 50 प्रतिशत तक दी जाती है। उपायुक्त ने बताया कि सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करते हुए सरकार आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत नागरिकों को ऋण सहायता प्रदान कर रही है। एमएसएमई सेक्टर का विस्तार करने पर अभूतपूर्व बल दिया जा रहा है। इसी कड़ी में अनेक नई योजनाएं शुरू की गई हैं। सरकार के इन महत्वपूर्ण प्रयासों से भारत के एमएमएमई सेंक्टर को और गति मिलने वाली है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत एमएसएमई केंद्र के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण में सूक्ष्म उद्यमों के विकास के लिए एक सफलतापूर्वक लागू किया गया है। डीसी ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने राज्य / संघ राज्य क्षेत्र सरकार की भागीदारी में मौजूदा सूक्ष्म खाद्य उद्यमों के उन्नयन के लिए वित्तीय तकनीकी एवं कारोबार सहायता देने के लिए अखिल भारतीय आधार पर पीएम एफएमई प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना शुरू की है। योजना के तहत उद्यम का उन्नयन करने के इच्छुक सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना प्रोजेक्ट लागत के 35 प्रतिशत पर क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। अधिकतम सब्सिडी 10 लाख रुपए प्रति उद्यम तक हो सकती हैं। लाभार्थी का योगदान न्यूनतम 10 प्रतिशत होना चाहिए और शेष राशि बैंक से ऋ्रष्ण होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्किंग कैपिटल तथा छोटे औजारों की खरीद के लिए खाद्य प्रसंस्करण में कार्यरत स्वयं सहायता समूहों के प्रत्येक सदस्य को 40 हजार रुपए की दर से प्रारंभिक पूंजी प्रदान की जाएगी।

अवैध होर्डिंग पर नगर निगम की कार्रवाई, 25 बड़े होर्डिंग उतारे 45 को दिए नोटिस

पानीपत। शहर में अवैध होर्डिंग लगाने वालों पर नगर निगम लगातार पिछले कई दिनों से कार्रवाई कर रहा है। शनिवार को भी निगम ने कार्रवाई करते हुए सेक्टर 25 मित्तल मेगा माल, जीटी रोड नांगल खेड़ी के पास और सनौली रोड पर लगे 25 अवैध होर्डिंग्स उतरवाए। अभी निगम ने एक माह में 45 लोगों को नोटिस दिए हैं। इसके साथ ही 70 के करीबन छोटे फ्लेक्स उतरवाये गए हैं। बता दें कि शहर में अवैध होर्डिंग लगाकर सुंदरता बिगाड़ी जा रही थी। शहर में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां कंपनी या एजुकेशन, व्यवसायिक, राजनीतिक कार्यक्रमों से जुड़े बैनर, पोस्टर या होर्डिंग्स न लगे हों। शहर के प्रमुख चौक एवं डिवाइडर पर लगी स्ट्रीट लाइट के खंभों में विज्ञापन वाले अवैध होर्डिंग्स लटके हुए हैं। इससे सड़क हादसे होने का खतरा भी बना रहता है। नगर निगम ऐसा करने वालों को नोटिस के साथ एफआईआर दर्ज करवाने का भी प्रावधान है। जगह-जगह राजनीति दलों के कार्यालयों ने अपने पोस्टर व होर्डिंग्स लगवा रखे हैं, जो अभी तक नहीं उतर सके। इससे नगर निगम को हर वर्ष लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है, क्योंकि पालिका ने शहर में होर्डिंग और फ्लैक्स आदि लगाने के लिए स्थान तय किया हुआ है। यहां पर होर्डिंग्स और फ्लैक्स लगाने पर पालिका को राजस्व का फायदा होगा। पानीपत नगर निगम एक्सईएन राहुल पुनिया ने बताया कि विभिन्न शिक्षण संस्थानों सहित आटो डील और बिल्डिंग कंसल्टेंट से जुड़े हुए लोग अपने होर्डिंग्स और फ्लैक्स को डिवाइडरों के बीच लगे खंभों और मुख्य चौराहों पर लगवा रखे हैं, इससे जहां शहर की सुंदरता खराब हो रही है। शहर में किसी भी तरह के अवैध होर्डिंग्स नहीं लगाने दिए जाएंगे।

नगर निगम ऐसा करने वालों को नोटिस के साथ एफआईआर दर्ज करवाने का भी प्रावधान है। जगह-जगह राजनीति दलों के कार्यालयों ने अपने पोस्टर व होर्डिंग्स लगवा रखे हैं,

अब कचरा प्रबंधन टैक्स बना आम नागरिकों के गले की फांस

अम्बाला शहर। एनडीसी के बाद अब नगर निगम द्वारा पिछले कई वर्ष का कूड़ा कचरा प्रबंधन टैक्स मांगने से आम नागरिक परेशान है। दर्जनों लोग इसी विषय को लेकर रोजाना नगर निगम कर्मियों व अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। लोगों की नाराजगी का खमियाजा सरकार को आगामी चुनावों में भुगतना पड़ सकता है। नागरिकों का कहना है कि वैसे भी नगर निगम 3 साल से ज्यादा का बकाया डिमांड ही नहीं कर सकता, उनकी मांग है कि 3 वर्ष से ज्यादा समय पहले का कूड़ा टैक्स मांगने के लिए क्या संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। लोगों का यह भी कहना है कि यदि कूड़ा टैक्स जरूरी है तो इसे आगामी वर्षों से लागू किया जाए। दरअसल नगर निगम ने वर्ष 2016-17 से कचरा प्रबंधन के तहत घर-घर से कूड़ा इकट्ठा करना शुरू किया लेकिन 2016-17 से लेकर 2022-23 तक का बिल 2023-24 के प्रॉपर्टी टैक्स के बिलों में लगाकर भेजा है।

विभिन्न कार्यों यानी जन्म या मृत्यु प्रमाण-पत्र, मकान का नक्शा पास करवाने, रिन्यू कराने या अन्य किसी कारण से अपने बच्चों के लिए कोई सर्टिफिकेट जारी करना है, उसकी आड़ में नगर निगम ने अपने व्यक्तियों से कचरा प्रबंधन टैक्स लिया है और आगे भी ले रही है। लोग मजबूरी में यह टैक्स जमा करवाने को मजबूर हैं।

सरकार द्वारा मनोनीत पार्षद संदीप सचदेवा एडवोकेट लगातार इस मुद्दे को विभागीय मंत्री तक उठा चुके हैं लेकिन कहीं से राहत नहीं मिलने के कारण अब उन्होंने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाते हुए विस्तार से बात रखी है।

उनका कहना है कि सरकार के ही कुछ अधिकारी व कर्मचारी अपनी गलतियां छिपाने के लिए आम जनता के साथ धक्केशाही कर रहे हैं जिससे आम जनता में सरकार की छवि खराब हो रही है।

उन्होंने सीएम को बताया कि इस विषय को स्थानीय अधिकारियों से लेकर विभागीय मंत्री तक उठा चुके हैं लेकिन साार्थक परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि सरकार जन कल्याणकारी है हजारों करोड़ों रुपए के किसानों के बिजली बिलों व अन्य प्रकार की माफी देती है तो लोगों के साथ-साथ सरकार के भी हित में होगा। अब यह देखना है कि मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता के पत्र पर कब और कितना संज्ञान लेते हैं।

क्या 2020 में नगर निगम का चुनाव गैर कानूनी होगा घोषित

पार्षद संदीप सचदेवा ने कहा कि जिन प्रत्याशियों ने वर्ष 2020 में नगर निगम का चुनाव लड़ा, उन्होंने भी यह कूड़ा प्रबंधन टैक्स नहीं भरा, उन्हें नो ड्यूज प्रमाणपत्र भी जारी कर दिया गया। अब प्रश्न यह है कि क्या चुनाव जीतकर मेंबर या मेयर बने नेताओं का चुनाव गैर कानूनी घोषित किया जाएगा। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि चुनाव लडने् वालों से नगर निगम ने उक्त टैक्स मांगा ही नहीं तो क्या नगर निगम के तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी या उनके द्वारा की गई गलतियां आम नागरिकों के गले की फांस बनी रहेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

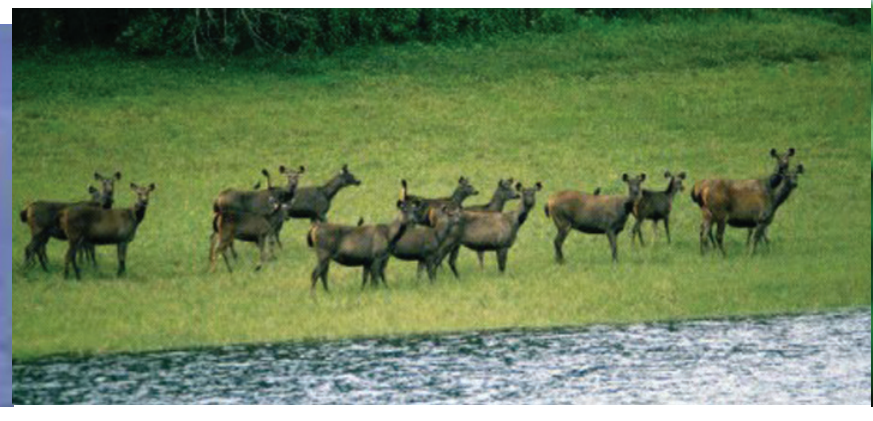

एक अनोखा पर्यटक स्थल

केरल नेशनल पार्क

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्रावीकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार = केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

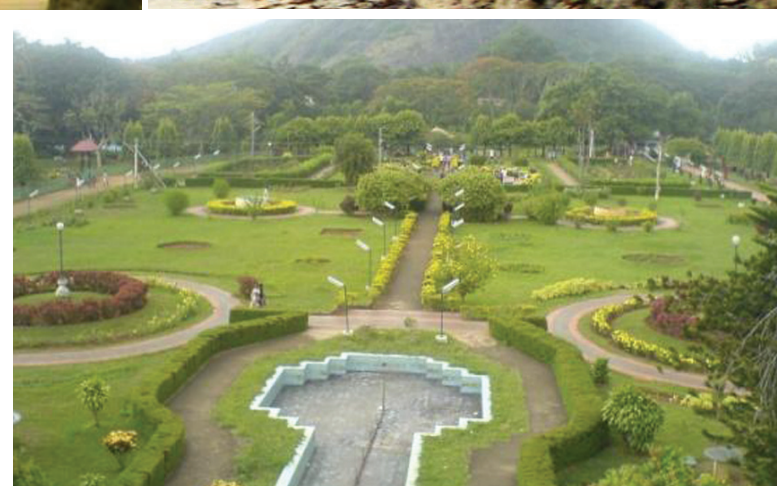

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आप नेता रीना गुप्ता ने ईडी की कार्रवाई पर उठाए सवाल, कहा- आठ दिन में सिर्फ तीन घंटे पूछताछ क्यों

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने सांसद संजय सिंह को रिमांड में लेकर ईडी की ओर से पूछे गए सवालों पर प्रश्न उठाया है। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता रीना गुप्ता ने कहा कि ईडी ने संजय सिंह को आठ दिन रिमांड में रखा, लेकिन उनसे केवल तीन घंटे ही पूछताछ की। इससे भी बड़ा हास्यप्रद ये है कि ईडी ने उनसे अधिकतर गैर जरूरी प्रश्न किए। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय

सिंह ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया था। उन्होंने ट्रायल कोर्ट द्वारा उन्हें दी गई रिमांड को भी चुनौती दी। ईडी ने आरोप लगाया है कि सिंह ने अब समाप्त हो चुकी दिल्ली शराब नीति को तैयार और लागू कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसका उद्देश्य कथित तौर पर कुछ शराब निर्माताओं, थोक और खुदरा विक्रेताओं को लाभ पहुंचाना था।

कारोबारी की बेटी को बंधक बनाकर 12 लाख रुपये लूटे

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के कोतवाली स्थित कूचा रहमान इलाके में बदमाशों ने कारोबारी की बेटी को बंधक बनाकर 12 लाख रुपये लूट लिये। वारदात के समय पीड़िता घर पर अकेली थी। इस बीच एक महिला और तीन अन्य लोग जबरन घर में घुस गए। बदमाशों ने कारोबारी की बेटी सामिया (25) को बंधक बना लिया। बदमाश अलमारी में रखा कैश लूटकर फरार हो गए। कुछ देर बाद सामिया की मां वहां पहुंची तो वारदात का पता चला। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। खबर मिलते ही पुलिस वहां पहुंच गई। छानबीन के बाद पुलिस ने लूट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस मामले को संदिग्ध बता रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिस जगह कैश रखा हुआ था, वहीं पर जेवरात भी मौजूद थे। बदमाशों ने जेवरात को हाथ नहीं लगाया बस कैश ही ले गए। मामला अटपटा लग रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही लूट की गुत्थी से पर्दा उठा लिया जाएगा। पुलिस के मुताबिक पीड़ित सामिया अपने परिवार के साथ कूचा रहमान, चांदनी चौक में रहती है। इसके परिवार में पिता सरवर हुसैन, मां और तीन बहन भाई हैं। सरवर का चांदनी चौक इलाके में लहंगे का कारोबार है। सामिया शादीशुदा है, लेकिन ससुराल पक्ष से विवाद होने की वजह से वह अपने मायके में ही रह रही है। सरवर अपनी दुकान पर चले गए थे।

हत्या की गुत्थी सुलझी, मुख्य आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी के नरेला इलाके में 12 अक्टूबर को गुलशन नामक युवक की हत्या करने के मामले में अपराध शाखा ने मुख्य आरोपित सुमित उर्फ काके (19) को गिरफ्तार कर लिया है। उसने शराब के नशे में धुत होकर अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था।

स्थानीय पुलिस ने मामले में एक नाबालिग आरोपित को पहले ही दबोच लिया था। पुलिस सुमित के बाकी साथियों की तलाश कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खुलासा किया है कि दबदबा बनाने के लिए उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक गुरुवार रात को सुमित अपने दोस्तों के साथ नरेला इलाके के डीडीए पार्क में बैठकर शराब पी रहा था। इस दौरान गुलशन अपने दोस्तों के साथ वहां पहुंचा। गुलशन और सुमित के बीच पहले से किसी को लेकर विवाद था, इसलिए सुमित ने पहले गुलशन की पिटाई की। गुलशन वहां से चला गया और कुछ देर बाद वापस आया। इस बार सुमित ने अपने साथियों के साथ मिलकर गुलशन पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपित ने नशे में धुत होकर उसके सीने पर चाकू से 20 वार किए। बाद में आरोपित फरार हो गए। गुलशन को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की। स्थानीय पुलिस के अलावा अपराध शाखा भी आरोपित की तलाश में जुट गई। इस बीच टीम को सूचना मिली कि हत्याकांड का मुख्य आरोपित अपने किसी साथी से मिलने बांकनेर, अंडरपास के पास आने वाला है। सूचना के बाद टीम ने आरोपित को दबोच लिया।

यमुना घाट पर वीरेंद्र सचदेवा-मनोज तिवारी ने किया निरीक्षण, नाव में कई अधिकारी भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी के दो बड़े नेता सोमवार कालिंदी कुंज स्थित यमुना घाट का दौरा करने पहुंचे। जहां उनके साथ कई अधिकारी भी मौजूद रहे। यमुना में प्रदूषण का स्तर कितना है। साथ ही नदी में बर्फ की सफेद चादर नजर आई। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद मनोज तिवारी दोनों ने यमुना घाट का दौरा किया और प्रदूषण के स्तर को जाना। दोनों इस दौरान नाव पर सवार हुए और उनके साथ कुछ अधिकारी भी मौजूद थे। जिन्होंने यमुना में प्रदूषण के स्तर के बारे में जाना। वीडियो में देख सकते हैं कि एक ही नाव पर भाजपा के दोनों नेता नजर आ रहे हैं। दौरा करने के बाद भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि छठ का त्योहार आ रहा है और छठ की आस्था ऐसी है कि महिलाएं जल में डुबकी लगाती हैं। लेकिन डुबकी लगाने वाले जल को अरविंद केजरीवाल ने जहरीला बना दिया है। उन्होंने आगे कहा कि हमने आज उसका निरीक्षण किया। यह बहुत बड़े अपराध की निशानी है। वहीं दूसरी तरफ

भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा ने भी निशाना साधा और कहा कि सीएम केजरीवाल ने यमुना मां की हत्या की है। यह इतनी खतरनाक स्थिति में है कि अगर कोई इसमें हाथ डाले तो उसे बीमारी हो जाए। छठ के दौरान जब लोग इसमें स्नान करेंगे तो उनके साथ क्या होगा? अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आपराधिक मुकदमा होना चाहिए।

दिल्ली में बढ़ा वायु प्रदूषण का स्तर

जानकारी के लिए बता दें कि राजधानी में मौसम के बदलने के साथ ही कुछ इलाकों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने व अन्य वजहों से प्रदूषण स्तर बढ़ने लगा है। रविवार को डीटीयू, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 414 दर्ज किया गया, जोकि खतरनाक श्रेणी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक मुंडका में सूचकांक 395 रहा, जोकि बेहद खराब श्रेणी है। यह शनिवार के मुकाबले पांच सूचकांक अधिक है।

दिल्ली के इन इलाकों में इतना रहा एक्यूआई

एनएसआईटी द्वारका में 317, वजीरपुर 310 और आनंद विहार में 335 एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) का पहले चरण की बंदिशें लागू हैं। वायु प्रदूषण का संकट धीरे-धीरे गहराता जा रहा है। ऐसे में अगर दिल्ली का एक्यूआई 300 के पार जाता है तो दिल्ली में ग्रेप के चरण दो के नियम लागू हो सकते है।

'मेरे पीछे आठ साल से हैं': सीएम केजरीवाल का मोदी सरकार पर बड़ा आरोप; 2015 से झूठे केसों में फंसाने की साजिश

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी पर लगातार घोटालों का आरोप लगाया जा रहा है। जिसके चलते पार्टी के कई बड़े नेता जेल में हैं। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि बीते आठ सालों से मुझे झूठे केसों में फंसाने की कोशिश की जा रही है। सीएम केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट लिखा कि यह घटना साल 2015 की है। मोदी सरकार 2015 से मुझे झूठे केसों में फंसाने की कोशिश कर रही है। लोगों पर तरह तरह के दबाव बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि एजेंसी वाले कहते हैं कि अपने बॉस

केजरीवाल का नाम बता दो। उन्हें मेरे खिलाफ बयान देने के लिए कहा जाता है। कई लोगों को तो यातनाएं भी दी गई हैं। आगे लिखा कि प्रधानमंत्री देश के लिए काम करने के बजाय 24 घंटे अपने विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने के षड्यंत्र बनाते रहते हैं।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बेहद खराब, 220 पर पहुंचा एक्यूआई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई और सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 220 पर पहुंच गया। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (एसएएफएआर) के आंकड़ों के अनुसार, पीएम 2.5 176 मध्यम श्रेणी पर रहा। सीपीसीबी के अनुसार, आनंद विहार में एक्यूआई 263 खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, अलीपुर में यह 140 मध्यम श्रेणी में था, जबकि डीटीयू स्टेशन 407 पर गंभीर श्रेणी में था, जिसमें एनओ2 प्रमुख प्रदूषक था। द्वारका सेक्टर 8 में, सीपीसीबी स्टेशन ने 216 एक्यूआई दर्ज किया, जो ÷खराब÷ श्रेणी में आता है, जबकि आईजीआई पर, यह 90

(मध्यम श्रेणी) था, जिसमें पीएम 10 प्रमुख प्रदूषक था। हालांकि, मुंडका में एक्यूआई 276 खराब श्रेणी में था। नरेला और डीयू उत्तरी परिसर दोनों में 219 (खराब श्रेणी) एक्यूआई दर्ज किया गया, आर के पुरम में यह 208 पर पहुंच गया, जबकि आईटीओ में मध्यम श्रेणी में 148 दर्ज किया गया, और सिरीफोर्ट में यह 176 पर था जो मध्यम श्रेणी में आता है।

राजधानी में नवरात्र की धूम, दूसरे दिन भी मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतार, ब्रह्मचारिणी की आराधना

नई दिल्ली। नवरात्र महोत्सव रविवार को जय माता दी और जय अंबे के उद्घोष के साथ शुरू हो गया। सोमवार को दूसरे दिन भी मंदिरों में भक्तों की धूम है। श्रद्धालु माता के दूसरे स्वरूप ब्रह्मचारिणी की आराधना में लीन हैं। छतरपुर स्थित श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर में विशेष आरती एवं ध्वजारोहण के साथ कल नवरात्र महोत्सव शुरू हुआ। मंदिर समिति के प्रवक्ता नंदकिशोर सेठी ने बताया कि पहले दिन भक्ति संगीत, रामायण पाठ, वीणा वादन का आयोजन हुआ। पहला नवरात्र होने के कारण मंदिर में सुबह ही मां की आराधना करने के लिए भक्तों की लंबी लाइन लग गई थी। वहीं बद्री भगत झंडेवालान देवी मंदिर में मां भगवती के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री का शृंगार व पूजा अर्चना पूर्ण विधि विधान के साथ की गई। मंदिर समिति के प्रवक्ता एनके सेठी के अनुसार, मंदिर में अपार संख्या में भक्त पूजा अर्चना करने के लिए आए और भगवती के गुणगान के दौरान स्वयं को झूमने से नहीं रोक सके।

आसोला (फतेहपुर बेरी) स्थित शनिधाम में सैकड़ों दंपतियों

ने एक साथ बैठकर पूजा-अर्चना की। शनिधाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर परमहंस निजस्वरूपानंदपुरी महाराज की अगुवाई में उन्होंने नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की और मंत्र जाप किया। दूसरी ओर श्रद्धालुओं ने घरों में भगवती की पूजा अर्चना की और बहुत से श्रद्धालुओं ने घर में अखंड ज्योत जलाई। नवरात्र में व्रतियों के लिए दिल्ली के होटलों व रेस्तरां ने खास थाली पेश की है। इनमें खासतौर पर कुट्टू और सिंघाड़े से बनी पुरियां, आलू चाप, साबूदाना टिक्की, साबूदाना खिचड़ी से लेकर सीताफल खीर परोसी जा रही है। होटलों व रेस्तरां वालों का कहना है कि नौ दिन विशेष भोजन बनाया जाता है, जो पौष्टिक होने के साथ स्वादिष्ठ भी है।

गोल मार्केट स्थित एक रेस्तरां के मालिक ने बताया कि व्रत का खाना बनाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। चुल्हा, बर्तनों को पहले विशेष तौर पर साफ किया जाता है। उसके बाद ही व्रतियों के लिए आलू चाप, साबूदाना टिक्की, साबूदाना खिचड़ी, कुट्टू पूरी, साबूदाना पापड़, सीताफल खीर, पूरी, मक्खन के बिस्किट, मिर्च के पकौड़े, आलू के चिप्स और नमकीन सहित अन्य खाने की वस्तुएं बनाई जाती हैं। सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन व रात्रि के खाने के लिए अलग-अलग मेन्यू तैयार किया गया है। स्नैक्स में गर्म पकौड़े : व्रत रखने वाले लोगों के लिए स्नैक्स के तौर पर गर्म पकौड़े भी तैयार किए गए हैं। कनॉट प्लेस के एक होटल में पकौड़े बनाने वाले कुक ने बताया कि इसके लिए सेंधा नमक का इस्तेमाल किया गया है। इसके लिए अलग से कुक रखे गए हैं, ताकि साफ-सफाई में किसी भी तरह की कमी न रह जाए। पकौड़ों के अलावा रबड़ी रसमलाई, रसगुल्ला, कलाकंद, साबूदाना खीर समेत कई स्वीट डिश का स्वाद चखने लोग आ रहे हैं।

गाजियाबाद में बच्चे के साथ लिफ्ट में 15 मिनट तक फंसी रही महिला

गाजियाबाद। गाजियाबाद में सिद्धार्थ विहार की प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसायटी के एक टावर की लिफ्ट में दिक्कत आ गई। इसके चलते एक महिला अपने छोटे बच्चे के साथ करीब 15 मिनट तक लिफ्ट में फंसी रही। महिला के पति आकाशदीप शर्मा ने बताया कि लिफ्ट अचानक 8वें फ्लोर से सीधे बेसमेंट में चली गई। वहां उसका पूरा सिस्टम बंद हो गया। इस दौरान उनकी पत्नी और छोटा बच्चा उसमें फंस गया। लिफ्ट के सभी स्विच भी बंद हो गए थे। अलार्म भी नहीं चल रहा था। किसी तरह दोनों को लिफ्ट से निकाला गया।

इस मामले में मेंटिनेंस को शिकायत दी गई है। यह घटना बीते शनिवार रात करीब 10 बजे की है। 36 साल की गुरप्रीत कौर अपने तीन साल के बेटे के साथ लिफ्ट से जा रही थी। इस बीच अचानक लिफ्ट आठवें फ्लोर से सीधे बेसमेंट में चली गई। बेसमेंट में जाने के बाद भी लिफ्ट का दरवाजा नहीं खुला। परेशान गुरप्रीत ने दरवाजा खोलने की बहुत कोशिश की, लेकिन सब व्यर्थ रहा।

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। गुरपीत अपने बेटे के साथ 16वें फ्लोर से ग्राउंड फ्लोर पर जा रही थीं। उनके साथ दो और लोग भी थे पर वे आठवें फ्लोर पर उतर गए।

आकाशदीप शर्मा ने बताया कि करीब 15 मिनट पर बेसमेंट में फंसे रहने के बाद लिफ्ट अपने आप ग्राउंड फ्लोर पर आ गई और थोड़ी देर बाद इसका दरवाजा भी खुल गया। तब जाकर उनकी पत?नी और बेटा बाहर निकल पाए। आकाशदीप ने इस मामले को लेकर विजय नगर पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। गौरतलब है कि लिफ्ट गिरने या फंसने जैसी कई घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रतीक ग्रैंड सोसाइटी में रहने वाले लोगों का कहना है कि लिफ्ट की मरम्मत समय से नहीं कराई जाती है। जबकि सोसाइटी की तरफ से स्क्वायर फीट के हिसाब से महंगा मेंटीनेंस चार्ज लिया जाता है।

नोएडा एयरपोर्ट के तीसरे चरण को लगेगा ग्रहण, किसानों ने विस्थापन से किया मना

ग्रेटर नोएडा। भारतीय किसान यूनियन द्वारा ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर किसानों की समस्याओं को लेकर सोमवार 8वें दिन भी धरना जारी रहा। इस धरने में किसानों के साथ-साथ भारी संख्या में महिलाएं भी शामिल रही। आज धरने के दौरान आक्रोशित किसानों ने एयरपोर्ट के तीसरे चरण के गांव नीमका, खाजपुर गांव के ग्रामीणों ने विस्थापन के लिए मना कर दिया। इस मामले की जानकारी मिलते ही यमुना प्राधिकरण में हड़कंप मच गया। भाकियू के मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने बताया कि 8 वें दिन के धरने की अध्यक्षता धर्मपाल सिंह डेरीन एवं संचालन मास्टर तेजपाल सिंह नीमका ने किया। इस दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने कहा कि यमुना प्राधिकरण ने घोषणा की थी 15 अक्टूबर से किसानों को 64.7 फीसदी का मुआवजा वितरण किया जाएगा लेकिन धरातल पर कोई भी कार्य

नहीं हुआ। आने वाली 21 अक्टूबर के लिए गांव-गांव जाकर मीटिंग की जा रही है। जिससे ज्यादा से ज्यादा संख्या में किसान महापंचायत में पहुंच सके और किसानों की समस्याओं का समाधान भारतीय किसान यूनियन एवं किसानों के नेता चौधरी राकेश टिकैत के द्वारा करवा सके। धरने के दौरान जिलाध्यक्ष रॉबिन नागर ने कहा कि यमुना प्राधिकरण किसानों के साथ धोखा कर रहा है। आज नीमका, खाजपुर गांव के सैकड़ों किसान धरने पर समर्थन देने पहुंचे। इनका भारतीय किसान यूनियन तहे दिल से धन्यवाद देती है। यमुना प्राधिकरण भोले वाले किसानों को बरगला रहा है। तीसरे चरण के किसानों के गांव के सर्वे के नाम पर धोखा हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक धरना जारी रहेगा। धरने के दौरान मटरू नागर, अमित जैलदार, सचिन कसाना, इंद्रजीत कसाना, महेश खटाना, योगेश भाटी, सोनू मुखिया, भगत सिंह तुगलपुर, बिरजू सिंह, नीरज कुमार, राजू चौहान, प्रदीप कुमार सिंह, महिपाल सिंह, अमित डेढा, अशोक पंडित, नीरज कुमार सिंह, रविंद्र चौहान, राजेश शर्मा, लखमीचंद, सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा के जिम्स हॉस्पिटल में नर्सिंग स्टाफ का धरना, अस्पताल पर वादाखिलाफी का आरोप

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में नर्सिंग स्टाफ सोमवार सुबह से ही धरने पर बैठे हुए हैं। अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी कर रहे हैं। इनका आरोप है कि उन्होंने कोरोना महामारी में अपनी जान जोखिम में डालकर काम किया था। उसके बावजूद भी उनको परमानेंट नहीं किया जा रहा है। जिम्स अस्पताल में धरने पर बैठे नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि उन लोगों ने कोरोना काल में अपनी जान को जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई थी। अपना कार्य किया था। इन लोगों ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ को परमानेंट नहीं किया जा रहा है। जबकि, परमानेंट करने के लिए नए लोगों की भर्ती की जा रही है, जो सरासर गलत है। इन्होंने बताया कि अब हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। इसी बात को लेकर सभी नर्सिंग स्टाफ में भारी रोष है और सभी धरने पर बैठ गए हैं। जब

तक हमारी मांगों को नहीं माना जाएगा, हमारा धरना लगातार चलता रहेगा।

नर्सिंग स्टाफ की तरफ से कहा गया है कि अस्पताल प्रशासन ने कोरोना महामारी के बाद 25 प्रतिशत वेतन बढ़ाने की बात कही थी। लेकिन, इस बात से भी वह मुकर गए। न वेतन बढ़ा और अब तो नौकरी से निकालने की भी तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो भी डायरेक्टर की तरफ से कोरोना काल में हमसे वादे किए गए थे, वह सभी झूठे निकले हैं। इन्हीं मांगों को लेकर हम धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

शौर्य जागरण यात्रा का हुआ समापन

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) दिल्ली प्रांत के सभी जिलों और प्रखंडों में निकाली गई शौर्य जागरण यात्रा के समापन के अवसर पर द्वारका के सेक्टर 10 के रामलीला मैदान में विशाल सभा का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य राम मंदिर जन्मभूमि आंदोलन में सहयोग और बलिदान देने वाले सभी राम भक्तों को धन्यवाद देना और उनके प्रति सम्मान का भाव प्रकट करना था। इसके साथ ही रामजन्म भूमि तीर्थक्षेत्र में निधि समर्पण और संग्रह करने वाले सभी भक्तों के प्रति भी आभार व्यक्त करना था। इस सभा में विहिप और बजरंग दल के केंद्रीय और प्रांत स्तर के कई अधिकारियों सहित हजारों की संख्या कार्यकर्ताओं और आमजनों ने भाग लिया।

गाजियाबाद में 24 घंटे के अंदर मिलेगा खोया समान, आरआरटीएस स्टेशन पर बनेगा 'खोया-पाया केंद्र'

गाजियाबाद। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर का 17 किलोमीटर लंबा प्राथमिक खंड जल्द ही जनता के लिए शुरू होने जा रहा है। इन आधुनिक हाई स्पीड, हाई-फ्रीक्वेंसी रैपिडएक्स ट्रेनों के संचालन के साथ ही यात्रियों को कई सुविधाएं देने की तैयारियां की जा रही है।इसी दिशा में खोई हुई वस्तुओं की शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन पर समर्पित ÷खोया और पाया केंद्र÷ बनाया जाएगा।

यह केंद्र यात्रियों को उनके खोए हुए सामान तक पहुंचाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा, जिससे भारत के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर पर यात्रा अधिक सुरक्षित, निर्बाध और परेशानी मुक्त हो जाएगी। इसके अंतर्गत यात्रा के दौरान यदि किसी यात्री का कोई समान स्टेशन परिसर या आसपास खो जाता है या रैपिडएक्स ट्रेन में कोई वस्तु या सामान गलती से छूट जाता है तो यह सामान जिस किसी यात्री को मिलता है, तो यात्री इस स्थिति में स्टेशन या ट्रेन स्टाफ से संपर्क कर सकते हैं।

इसके साथ ही खोई-पाई वस्तु के संबंध में पूछताछ और सहायता के लिए रैपिडएक्स ग्राहक सेवा केंद्र के नंबर 8069651515 पर कॉल करके भी मदद ले सकते हैं। अगर स्टेशन परिसर या ट्रेन में खोया या छूटा सामान रैपिडएक्स स्टाफ को मिलता है या किसी अन्य यात्री द्वारा उनके पास जमा करवाया जाता है तो यात्री को 24 घंटों के भीतर अपने सामान को उसी स्टेशन से प्राप्त कर सकेंगे, जहां वह खोया या छूटा था। वहीं, रैपिडएक्स कनेक्ट एप पर यात्री टिकट बुकिंग के साथ ही खोई-पाई वस्तुओं या सामान की जानकारी भी हासिल कर सकेंगे। हालांकि, 24 घंटे के बाद खोई-पाई वस्तुओं और सामान को गाजियाबाद रैपिडएक्स स्टेशन पर स्थित समर्पित ÷खोया और पाया केंद्र÷ में पहुंचा दिया जाएगा। रैपिडएक्स में सफर करने वाले यात्रियों को अगर किसी अन्य यात्री का कोई सामान खोई या छूटी हुई स्थिति में मिलता है तो वे उसे स्टेशन स्टाफ के पास जमा करवा सकते हैं। गाजियाबाद रैपिडएक्स स्टेशन पर स्थित समर्पित ÷खोया और पाया केंद्र÷ हर दिन सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक संचालित होगा, जिससे यात्रियों को अपना सामान वापस पाने में आसानी होगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बमरोली गाँव की एकता में सूरत मनपा की निति-नियम कोई काम नही आया.

सूरत नगर निगम के उधना जोन-ए और बिल्डर के बीच मिलीभगत के गंभीर आरोप

बमरोली में एक बिल्डर के लिए जमीन पर कब्जा लेने गए नगर निगम अधिकारियों को भागना पड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर पालिका के उधना जोन के बमरोली क्षेत्र में एक खेत से सड़क की जगह को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विवाद तब हुआ जब नगर पालिका ने पहले आक्रामक होकर जेसीबी मशीन से रास्ता खुलवाया। खेत का मालिक अपने परिवार के साथ खेत पर आया। नगर पालिका के अधिकारियों ने शुरुआत में पेड़ों को साफ किया। लेकिन धीरे-धीरे लोगों का ध्यान किसान की ओर बढ़ता गया। उधर, नगर निगम अधिकारी किसानों के सवालों का जवाब नहीं दे सके और किसानों ने नगर निगम अधिकारियों और बिल्डर के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए अधिकारियों को घेर लिया.

सूरत के बमरोली इलाके में सड़क निर्माण के मुद्दे पर सूरत नगर निगम और किसान आमने-सामने आ गए. किसानों का आरोप है कि उनकी कीमती जमीन से सड़क बनाकर बिल्डर को फायदा पहुंचाया जा रहा है. उधर, नगर पालिका के कार्मिक अधिकारियों का कहना है कि टीपी स्कीम के तहत खेत से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। जिससे हम लोग काम पर आये हैं. हालांकि, जैसे ही नगर निगम के अधिकारियों ने सड़क बनाने का काम शुरू किया, किसानों ने सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया. घटना को गंभीर होने से रोकने के लिए स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है. सूरत नगर निगम के उधना जोन ए के बमरोली इलाके में खेत से रास्ते की जगह पर कब्जे के विवाद को लेकर किसानों ने अधिकारियों का घेराव किया. किसानों के आक्रामक होने पर अधिकारियों को वहां से निकलना पड़ा. नगर निगम अधिकारी किसानों को उचित जवाब नहीं दे सके, महिला-पुरुषों ने गाड़ी तक नहीं जाने दी। सुरक्षा गार्ड ने बमुश्किल अधिकारी को कार तक पहुंचाया। बमुश्किल अधिकारी को कार तक पहुंचाया गया।

सूरत के जीआईडीसी में प्रयागराज मिल में लगी भीषण आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा जीआईडीसी में प्रयाग मिल में आज भीषण आग लग गई। घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को देने के बाद शहर के 6 फायर स्टेशनों से काफिला मौके पर पहुंच गया है. मौके पर 17 से ज्यादा दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश की. भीषण आग के बाद दूर से धुएं का गुबार देखा जा सकता है। अफरातफरी के चलते पुलिस का काफिला भी मौके पर पहुंच गया है. वे जांच कर रहे हैं कि मिल में कोई फंसा है या नहीं. अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. सूरत में अचानक लगी भीषण आग सूरत में एक बार फिर एक मिल में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है. पांडेसरा जीआईडीसी में पांडेसरा पुलिस थाने के पीछे प्रयाग मिल में आज भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. आग भीषण होने के कारण धुएं का गुबार दूर-दूर तक देखा जा सकता था। घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दिए जाने के बाद आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन विभाग की ६ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग पर काबू पाने के लिए भेस्तान, मजूरा, मान दरवाजा, डिंडोली, डुंभाल और नवसारी बाजार से छह फायर स्टेशन वाहनों का बेड़ा मौके पर पहुंच गया है। दमकल विभाग लगातार पानी की बौछारों से आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहा है. अंदर कोई फंसा है या नहीं, इसकी जांच शुरू इस घटना में आग पर काबू पाने के अलावा अग्निशमन अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि मिल के अंदर काम करने वाले कोई कारीगर फंसे हैं या नहीं. फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. वहीं आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है.

खेड़ा में आरोपी की सरेआम पिटाई का मामला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पीड़ित ने मुआवजा मांगने से किया इनकार, HC 19 अक्टूबर को पुलिसकर्मियों के खिलाफ सजा सुना सकता है

पिछले साल खेड़ा में नवरात्रि के दौरान गरबा में पथराव की घटना हुई थी. जिसकी गूंज पूरे प्रदेश में हुई. घटना में पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर सरेआम सजा दी. ये आरोपी अल्पसंख्यक समुदाय से थे. सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आरोपी को सार्वजनिक रूप से पीटा या परेड नहीं किया जाना चाहिए। इस घटना में पीड़ितों ने अवमानना याचिका दायर की. चूंकि याचिकाकर्ताओं ने मुआवजा लेने से इनकार कर दिया है, इसलिए उच्च न्यायालय गुरुवार को पुलिस कर्मियों के खिलाफ सजा सुना सकता है।

पीड़िता ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. इसके बाद पीड़ित की ओर से पुलिस के खिलाफ हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गई। दोषी पाए गए चार पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. उनके खिलाफ आरोप तय कर दिया गया है. अगर पुलिसवालों को सजा नहीं हुई तो वे आरोपियों को मुआवजा देंगे, यह बात पुलिस के वकील ने कोर्ट के सामने रखी.

पथराव में लोग और एक पुलिसकर्मी घायल हो गए, क्योंकि याचिकाकर्ताओं ने मुआवजा मांगने से इनकार कर दिया था, अब उच्च न्यायालय गुरुवार को पुलिस कर्मियों के खिलाफ सजा सुना सकता है। गौरतलब है कि पिछले साल खेदाना के मातर गांव में अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा गरबा पर पथराव किया गया था. जिसमें कुछ लोग और पुलिसकर्मी भी घायल हो गए. पुलिस ने मिसाल कायम करने के लिए आरोपियों को खंभे से बांधकर मार डाला। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद मामला कोर्ट तक पहुंच गया.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141 80 या फोटा,वीडियो हमें भेजे